दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 215
मुरादाबाद
(Thursday)
27 November 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

संविधान दिवसः गुलामी की मानसिकता को खत्म करता है संविधान, बोलीं राष्ट्रपति मुर्मू

राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद, 2024 में जम्मू-कश्मीर में हुए चुनावों में, बड़ी संख्या में मतदाताओं ने मतदान किया, जिससे दुनिया को लोकतंत्र में हमारी आस्था का एहसास हुआ।पुराने संसद भवन के सेंट्रल हॉल में बुधवार को संविधान दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि आज के दिन 26 नवंबर 1949 में संविधान सभा के सदस्यों ने भारत संविधान के निर्माण का कार्य संपन्न किया था। आज के दिन हम भारत के लोगों ने अपने संविधान को अपनाया था। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, %स्वाधीनता के बाद संविधान सभा ने भारत की अंतरिम संसद के रूप में भी कर्तव्य का निर्वाहन किया। बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर हमारे संविधान के प्रमुख निर्माता में से थे। बाबा साहब के 125 वीं जयंती के वर्ष में यानी 26 नवंबर 2015 में प्रतिवर्ष संविधान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया था। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि संविधान राष्ट्र की पहचान की आधारशिला है और गुलामी की मानसिकता को त्यागने तथा राष्ट्रवादी सोच अपनाने का मार्गदर्शक दस्तावेज भी है। इस दौरान राष्ट्रपति मुर्मू ने तीन तलाक, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी), अनुच्छेद 370 समेत कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि तीन तलाक से जुड़ी सामाजिक बुराई पर अंकुश लगाकर संसद ने हमारी बहनों और बेटियों के सशक्तिकरण और सामाजिक न्याय की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाए। उन्होंने कहा कि जीसएटी के रूप में आजादी के बाद सबसे बड़ा कर सुधार देश के आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए लागू किया गया। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 के खत्म होने से एक ऐसी बाधा हटी, जो देश के समग्र राजनीतिक एकीकरण में बाधा बन रही थी। राष्ट्रपति ने कहा, %नारी शक्ति बंधन अधिनियम महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के एक नए युग की शुरुआत करेगा। इस वर्ष 7 नवंबर से हमारे राष्ट्रगान, वंदे मातरम की रचना के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक राष्ट्रव्यापी स्मरणोत्सव आयोजित किया जा रहा है।% कार्यक्रम के दौरान उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा, %महान विद्वानों, ड्राफ्टिंग कमिटी और संविधान सभा के सदस्यों ने करोड़ों भारतीयों की उम्मीदों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए गहरी सोच दी। उनके बिना किसी स्वार्थ के योगदान ने भारत को आज दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बनाया है। हमारा संविधान समझ और अनुभव, त्याग, उम्मीदों और आकांक्षाओं से बना है। हमारे संविधान की आत्मा ने साबित कर दिया है कि भारत एक है और हमेशा एक रहेगा।% राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने कहा, %अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद, 2024 में जम्मू-कश्मीर में हुए चुनावों में, बड़ी संख्या में मतदाताओं ने मतदान किया, जिससे दुनिया को लोकतंत्र में हमारी आस्था का एहसास हुआ। हाल ही में हुए बिहार चुनावों में, विशेष रूप से महिलाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी ने, हमारी मां भारती के लोकतंत्र के मुकुट में एक और अनमोल हीरा जड़ दिया है। संविधान सभा की महिला सदस्यों की ओर से दिया गया योगदान अतुलनीय था।% लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि अगर संविधान का अक्षरशः पालन किया जाए तो भारत 2047 तक एक विकसित देश बन जाएगा। बिरला ने कहा कि 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाना हमारा सामूहिक लक्ष्य है और यह लक्ष्य तभी प्राप्त होगा जब हम संविधान के मूल्यों और आदर्शों को आत्मसात करेंगे। बिरला ने कहा कि अगर हम संविधान का अक्षरशः पालन करेंगे तो हम भावी पीढ़ियों के लिए एक ऐसे भारत का निर्माण करेंगे जो विकास, न्याय, एकता, मैत्री और मानवता का उदाहरण होगा। उन्होंने कहा कि संविधान एक जीवंत दस्तावेज है, जो प्रत्येक नागरिक की आवश्यकताओं का ध्यान रखता है और इसमें निहित सिद्धांतों का पालन करना हमारा कर्तव्य है। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, पीएम नरेंद्र मोदी, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, राज्यसभा के डिप्टी चेयरमैन हरिवंश, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राज्यसभा नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और दूसरे सांसदों ने संविधान दिवस पर प्रस्तावना को जोर से पढ़ा।संविधान दिवस, 2025 के उपलक्ष्य में संसद के संविधान सदन में बुधवार को समारोह का आयोजन किया जा रहा है। सेंट्रल हॉल में हो रहे इस कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कर रही हैं। इसके अलावा उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, पीएम मोदी, लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला के अलावा केंद्रीय मंत्रियों का समूह भी सेंट्रल हॉल पहुंचा। विपक्ष की तरफ से लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी मौजूद रहे। यह मौका भारत द्वारा संवैधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक परंपराओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि का प्रतीक है।

संक्षिप्त समाचार

संविधान दिवस: सुप्रीम कोर्ट में जुटे कई देशों के न्यायाधीश, बोले- भारत से सीखती है दुनिया की न्याय प्रणाली

सुप्रीम कोर्ट में संविधान दिवस पर कई देशों के मुख्य न्यायाधीश और वरिष्ठ जज शामिल हुए। मॉरीशस, केन्या, भूटान और श्रीलंका के मुख्य न्यायाधीशों ने भारत की कानूनी व्याख्याओं और परंपरा को अपने देशों के लिए प्रेरणादायक बताया। भारत के सुप्रीम कोर्ट में इस बार संविधान दिवस का आयोजन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गया, जहां विभिन्न देशों के मुख्य न्यायाधीश और वरिष्ठ जज विशेष रूप से शामिल हुए। सुप्रीम कोर्ट में आयोजित इस समारोह में विदेशों से आए न्यायिक प्रतिनिधियों ने न केवल न्यायिक कार्यवाही को करीब से देखा, बल्कि भारत की कानूनी परंपराओं और संवैधानिक मजबूती की खुलकर प्रशंसा भी की। बुधवार को हुए इस आयोजन में मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सभी अतिथियों का स्वागत कियासंविधान दिवस के मौके पर विदेशी न्यायाधीशों ने सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही का अवलोकन किया और भारत की न्यायिक प्रणाली को दुनिया के सबसे मजबूत मॉडल में से एक बताया। कार्यक्रम में भूटान, केन्या, मॉरीशस और श्रीलंका के मुख्य न्यायाधीश शामिल हुए। ऐतिहासिक है, क्योंकि इस बार राष्ट्रपति भी इस आयोजन में शामिल हो रहे हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने भी विदेशी अतिथियों का स्वागत किया और भारतीय न्याय व्यवस्था की गरिमा को रेखांकित किया।

राहुल बोले- संविधान पर होने वाले वार पर सबसे पहले खड़ा रहूंगा

राहुल गांधी ने कहा, जब तक संविधान सुरक्षित है, हर भारतीय के अधिकार सुरक्षित हैं। आइए, हम प्रण लें कि हम संविधान पर किसी भी तरह का आक्रमण नहीं होने देंगे। भारत में आज संविधान दिवस मनाया जा रहा है। दरअसल, 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने देश के मौजूदा संविधान को मंजूरी दी थी। यही संविधान देश के अधिकतर कानूनों की आधारशिला बना है। राहुल गांधी ने बुधवार को देशवासियों को संविधान दिवस की शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने कहा कि देश के संविधान पर होने वाले किसी भी प्रहार के सामने वे सबसे आगे खड़े रहेंगे। राहुल के अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और अन्य नेताओं ने भी संविधान दिवस पर बधाई दीं। राहुल गांधी ने की संविधान की रक्षा की बात- राहुल गांधी ने देशवासियों को संविधान दिवस की शुभकामनाएं देते हुए एक्स पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने लिखा, भारत का संविधान सिर्फ एक किताब नहीं, यह देश के हर नागरिक से किया गया एक पवित्र वादा है। वादा कि चाहे कोई किसी भी धर्म या जाति का हो, किसी भी क्षेत्र से आता हो, कोई भी भाषा बोलता हो, गरीब हो या अमीर, उसे समानता, सम्मान और न्याय मिलेगा। संविधान गरीबों और वंचितों का सुरक्षा कवच है, उनकी शक्ति है और हर एक नागरिक की आवाज है। राहुल ने आगे कहा, जब तक संविधान सुरक्षित है, हर भारतीय के अधिकार सुरक्षित हैं। आइए, हम प्रण लें कि हम संविधान पर किसी भी तरह का आक्रमण नहीं होने देंगे। इसकी रक्षा करना मेरा कर्तव्य है और इसपर होने वाले हर प्रहार के सामने सबसे पहले खड़ा रहूंगा। जय हिंद, जय संविधान। अमित शाह बोले- संविधान से मजबूत राष्ट्र निर्माण का मार्ग प्रशस्त दूसरी तरफ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, आज संविधान दिवस पर बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी, डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी सहित संविधान सभा के सभी महान सदस्यों को नमन और देशवासियों को इस दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत का संविधान हर देशवासी को समान अवसर, सम्मानपूर्ण जीवन, राष्ट्रीय कर्त्तव्य और अधिकार प्रदान कर मजबूत राष्ट्र निर्माण का मार्ग प्रशस्त करता है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने भाजपा नेताओं पर लगाया आरोप, कफ सिरप मामले को लेकर कही बड़ी बात

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। कहा कि एसआईआर में भाजपा विरोधियों का नाम काटने को बीएलओ पर दबाव बना रहे हैं।कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने प्रेसवार्ता कर भाजपा नेताओं पर आरोप लगाया। कहा कि बनारस में कफ सिरप का रैकेट फल फूल रहा है। भाजपा नेता जमीन कब्जा करा रहे हैं। कफ सिरप मामले में मुख्य आरोपी पुलिस की पकड़ से अभी भी दूर है।मुख्यमंत्री हमेशा कहते हैं कि हम माफियाओं को जमीन के अंदर से निकाल लेंगे, अब वो जमीन खोदने वाली मशीन कहां है। कहा कि एसआईआर में भाजपा विरोधियों का नाम काटने को बीएलओ पर दबाव बना रहे हैं। बीएलओ आत्महत्या कर रहे हैं। अजय राय ने कहा कि ड्रग लाइसेंस अथॉरिटी का अधिकारी नरेश मोहन ही सरगना है, इसके संपत्ति की जांच हो, इसके खिलाफ कार्रवाई हो।कफ सिरप के मामले में बीते 15 नवंबर को एफआईआर लिखी गई, उसमें शुभम जायसवाल, भोला प्रसाद समेत 28 नामजद के खिलाफ मुकदमा दर्ज है, इसमें शुभम और भोला का पूरा विवरण है। 19 नवंबर को एफआईआर हुई तो नाम के अलावा पिता का नाम और पता अज्ञात कर दिया गया। ऐसे ही एक और एफआईआर में है। अधिकारी एक- एक लाख की शर्ट, 50 हजार के जूते पहन रहे, फॉर्चूनर रेंज रोवर जैसी गाड़ियों में चल रहे, इतने पैसे इन अधिकारियों के पास कहां से आ रहे हैं। बदनाम करने का पूरा प्रयास किया जा रहा है।

संविधान की शक्ति ने साधारण व्यक्ति को पीएम पद तक पहुंचाया, PM मोदी का देशवासियों को पत्र

पीएम ने इस पत्र में आगे मतदान के अधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र को मजबूत करने की जिम्मेदारी पर भी जोर दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि स्कूल और कॉलेज संविधान दिवस को मनाते हुए उन युवाओं को सम्मानित करें जो 18 वर्ष की आयु पूरी कर पहली बार मतदाता बने हैं।भारत आज संविधान दिवस मना रहा है। इस खास दिन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकों के लिए चिट्ठी लिखी। पीएम ने अपील की है कि भारत के नागरिकों को अपने सांविधानिक कर्तव्यों को निभाना चाहिए, क्योंकि यह एक मजबूत लोकतंत्र का आधार हैं। पीएम ने अपनी यात्रा का जिक्र करते हुए पत्र में संविधान की शक्ति पर बात की उन्होंने कहा कि यह संविधान की ही ताकत थी जिसकी वजह से ही गरीब परिवार से आने वाले एक साधारण व्यक्ति प्रधानमंत्री पद तक पहुंचा। पीएम ने इस पत्र में आगे मतदान के अधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र को मजबूत करने की जिम्मेदारी पर भी जोर दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि स्कूल और कॉलेज संविधान दिवस को मनाते हुए उन युवाओं को सम्मानित करें जो 18 वर्ष की आयु पूरी कर पहली बार मतदाता बने हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने महात्मा गांधी के इस विचार को याद किया कि अधिकार, कर्तव्यों के पालन से उत्पन्न होते हैं। उन्होंने कहा कि कर्तव्यों का पालन सामाजिक और आर्थिक प्रगति की नींव है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज लिए गए निर्णय और नीतियां आने वाली पीढ़ियों के जीवन को आकार देंगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे विकसित भारत के संकल्प की ओर बढ़ते हुए अपने कर्तव्यों को सर्वोपरि रखें।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ‘हमारा संविधान एक ऐसा पवित्र दस्तावेज है, जो निरंतर देश के विकास का सच्चा मार्गदर्शक बना हुआ है। ये भारत के संविधान की ही शक्ति है जिसने मुझ जैसे गरीब परिवार से निकले साधारण व्यक्ति को प्रधानमंत्री के पद पर पहुंचाया है। संविधान की वजह से मुझे 24 वर्षों से निरंतर सरकार के मुखिया के तौर पर काम करने का अवसर मिला है। मुझे याद है, साल 2014 में जब मैं पहली बार संसद भवन में प्रवेश कर रहा था, तो सीढ़ियों पर सिर झुकाकर मैंने लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर को नमन किया। साल 2019 में जब चुनाव परिणाम के बाद मैं संसद के सेंट्रल हॉल में गया था, तो सहज ही मैंने संविधान को सिर माथे लगा लिया था।संविधान निर्माताओं का किया स्मरण- मोदी ने अपनी चिट्ठी में संविधान निर्माताओं को भी याद किया। उन्होंने कहा, ‘संविधान दिवस पर हम डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद समेत उन सभी महान विभूतियों का स्मरण करते हैं, जिन्होंने भारत के संविधान के निर्माण में अपना अहम योगदान दिया है। डॉक्टर बाबासाहेब अम्बेडकर की भूमिका को भी हम सभी याद करते हैं, जिन्होंने असाधारण दूरदृष्टि के साथ इस प्रक्रिया का निरंतर मार्गदर्शन किया। संविधान सभा में कई प्रतिष्ठित महिला सदस्य भी थीं, जिन्होंने अपने प्रखर विचारों और दृष्टिकोण से हमारे संविधान को समृद्ध बनाया। पीएम ने अपने पुराने अनुभव का जिक्र करते हुए कहा, साल 2010 में जब संविधान के 60 वर्ष हुए थे, तब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था। हमने संविधान के प्रति कृतज्ञता और निष्ठा प्रकट करने के लिए एक प्रयास किया। 2010 के उस साल में गुजरात में ‘संविधान गौरव यात्रा’ निकाली गई थी। इस पवित्र ग्रंथ की प्रतिकृति को एक हाथी के ऊपर रखकर मैंने उस भव्य यात्रा की अगुवाई की थी। प्रधानमंत्री ने कहा, जब संविधान के 75 वर्ष पूरे हुए, तो ये हमारी सरकार के लिए ऐतिहासिक अवसर बनकर आया। हमें देशभर में विशेष अभियान चलाने का सौभाग्य मिला। संविधान के 75 वर्ष होने पर हमारी सरकार ने संसद का विशेष सत्र आयोजित किया और राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान चलाया। ये अभियान जन-भागीदारी का बड़ा उत्सव बन गया। पीएम मोदी ने इस वर्ष संविधान दिवस की गिनाईं विशेषताएं प्रधानमंत्री ने अपने पत्र में इस वर्ष का संविधान दिवस को कई कारणों से विशेष बताया। उन्होंने कहा, यह वर्ष सरदार पटेल जी और भगवान बिरसा मुंडा जी की 150वीं जयंती का है। सरदार पटेल जी के नेतृत्व और सूझबूझ ने देश का राजनीतिक एकीकरण सुनिश्चित किया। ये सरदार पटेल जी की ही प्रेरणा है जिसने हमारी सरकार को जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल 370 की दीवार गिराने के लिए प्रेरित किया। आर्टिकल 370 हटने के बाद वहां भारत का संविधान पूरी तरह लागू हो गया है और लोगों को संविधान प्रदत्त सभी अधिकार मिले हैं।

संपादकीय Editorial

Vinay's String, Struggle All Around

Finally, the Himachal Pradesh Congress crowned Vinay Kumar, MLA from Renukaji. This will energize the party's pursuit of a new balance, while also increasing the demand for government positions. The winter session will see the arrival of a new Deputy Speaker of the Assembly, and the government will be groping for a ministerial position in the market of vacant positions. Clearly, the party has appointed a president from the Scheduled Castes, not regional balance, considering caste equations. This is a major gamble from power to the next election, being played from the Shimla parliamentary constituency. Interestingly, the BJP also got its president from the Shimla parliamentary constituency, but Dr. Rajeev Bindal has strengthened the party's various fronts, the opposition's strength, and the entire strategy for the upcoming elections. Therefore, Vinay Kumar needs to move forward with the activism of the president who sits in the BJP's stronghold. As a party, Congress has yet to indicate its commitment to the upcoming elections or its new approach. The party hasn't yet begun to engage with the leaders who have already occupied positions of power. Therefore, the crucial task for Vinay Kumar is to transform the leaders in power into party workers. If the inspiration from the party and the government reach a confluence, it will determine the true political power. Congress undoubtedly possesses the power to rule, but it doesn't directly address the common worker. The BJP, while in opposition, is carrying the Modi government at the center in Himachal. While the party surprises with a series of events, its march to the Assembly is often mentioned, fueled by its struggle against the government. While the coronation of Congress president took more time than necessary, Vinay Kumar's political career could take on a new platform and flourish, given the need to demonstrate. The local body elections before the upcoming assembly elections will be a history-making exercise, expanding the party's reach from village to city. To revive the party, time is short, but opportunities must be created. While the winter session will undoubtedly see meetings and political parody between the ruling party and the opposition, the Congress will have an opportunity to face the challenges posed by the Tapovan disaster. While numerous employee movements are confronting the government, where is the Congress's employee unity cell? While intellectuals praise the BJP's policies, the Congress's intellectual cell is nowhere to be seen. Even student organizations, women's organizations, and long-active Congress workers are no longer visible. In Himachal, central leaders are preoccupied with power in Shimla or return after enjoying the state's climate. Priyanka and Rahul's visits to Shimla render Chamba, Kangra, Una, Hamirpur, or Mandi untouchable. In such a scenario, will the government's triennial celebrations showcase the party's existence? Will the party follow in the government's shoes, or will the Congress determine its own position on political issues? In any case, Vinay Kumar has an opportunity to re-energize the party's stagnant leadership so that organizational dynamism can provide a political response to the BJP's challenges. First, the Congress must correct the imbalances within itself, so that the imbalance in government representation can help Vinay Kumar gain consensus, support, and recognition.

A Slavery Mentality Disempowers, Prime Minister Modi's Call for National Necessity

Who explained to them that they cannot achieve anything great without adopting foreign methods and thinking? The truth is, Prime Minister Modi's call for liberation from the Slavery Mentality, born of Macaulay's education system, by 2035 is a completely appropriate and profound national necessity. The colonial mentality hinders development; Indian culture is being neglected; liberation from the Slavery Mentality is essential. Divisive tendencies and colonial mentality have been the biggest obstacles to the path of "One India, Great India." While divisive tendencies have consistently attempted to weaken the country and fragment it, the colonial mentality has never allowed it to connect with the source of its strength. Without connecting to the root, neither progress nor fundamental identity is possible. It was hoped that after the long-struggled independence, India would pave its own path in accordance with its culture, heritage, and traditions in various spheres of life, from governance to administration. By remaining connected to its cultural roots, it would have created ideal models of education, medicine, research, science, good governance, and development. Unfortunately, while power has been transferred, the character and form of the ruling system has remained unchanged. India gained independence in 1947, but has not yet been able to create and develop a self-reliant system, mantra, and mindset. Consequently, from education to art, literature, and cinema, from governance to justice and penal law, from architecture, science, and medicine to tourism—the dominant position and role of foreign systems, thinking, and vision remains unchanged. There is hardly an Indian who, due to their pride in their language, attire, and cultural identity, has not faced unequal treatment, neglect, or humiliation at the hands of their own institutions and systems. Not only in corporate and business establishments, but also in government institutions, the measure of knowledge and competence is now assumed to be not efficiency, but proficiency in the English language. A campaign to make India and Indians, a practitioner of originality and simplicity, completely uncomfortable, unoriginal, and un-Indian in the name of various so-called etiquettes is being carried out today, from metropolitan cities to small towns. The Macaulay-designed education system has devalued labor, skill, and talent, promoting an "elite culture of suits and boots and an elitist mentality." Furthermore, Macaulay's disciples have considered Westernization synonymous with development and modernity. Raising doubts and questions about our traditions and festivals, while presenting and promoting Western festivals, traditions, and days as celebrations, is also an example of a colonial mentality. Today, the world recognizes that meditation, yoga, and asanas have a positive effect on the body and mind, but we recognized them only after the West accepted them. Ayurveda is a holistic system of medicine, but even today, we are not willing to give it more importance than an alternative system of medicine. Our time calculations, the concepts and naming of planets, stars, seasons, and more are more rational, logical, and scientific than those of the West. Yet, we consider them ritualistic, limited to rituals and festivals. Our town planning, architecture, and cultural heritage have been more developed and rich than those of the West. Our collective understanding of beauty, color, flavor, form, and smell possesses greater comprehensiveness and diversity than that of the West. Yet, blind imitation of the West has led us to simplification and uniformity here too. Our diet, lifestyle, and behavior are more natural and nature-friendly than those of the West. They embody a keener perspective and deeper concern for the environment. Yet, even here, we fail to see beyond the United Nations' Sustainable Development Goals, based on Western standards. What is this if not a colonial mentality, that even today we view and present medieval India-foreign conflicts as Hindu-Muslim conflicts, and we choose tall and well-built actors like Ranveer Singh and Hrithik Roshan to portray characters like Alauddin Khilji and Akbar on the silver screen, when it would have been more natural to portray them as Turks, Chinese, or Mongols. Consider what underlying sentiment was or is at work behind all this? Are not the education system and intellectual discourses of the past eight decades responsible for this? Through whom were notions of inferiority towards our own language, clothing, food, worship, and emotions cultivated in generations? Who, generation after generation, instilled in young generations the notion that everything from the West is superior, contemporary, rational, scientific, and worthy of praise, while everything from India is regressive, outdated, irrelevant, unscientific, and discardable? Who explained to them that they couldn't achieve anything significant without adopting foreign methods and mindsets? The truth is that Prime Minister Modi's call for freedom from the slave mentality born of Macaulay's education system by 2035 is a profound and appropriate national necessity.

Anti-SIR voices, proper work is more important

In the case of a BLO's suicide in Bengal, it was revealed that he had collected the necessary information but had not uploaded it due to lack of clear instructions. The Election Commission must ensure that all problems, big and small, of BLOs are resolved and they do not suffer from stress due to lack of proper instructions or technical glitches. Election Commission seeks report on BLO suicides Opposition parties oppose SIR, BLOs' problems need to be resolved. It is good that the Election Commission has taken cognizance of reports of suicides by booth-level officers (BLOs) involved in the Special Intensive Revision (SIR) process of voter lists in 12 states and sought reports from the respective states. State election officials must first investigate these reports to determine whether they took their own lives due to work pressure or died a natural death. This clarity is essential because many opposition leaders, especially West Bengal Chief Minister Mamata Banerjee, are creating a narrative that a large number of BLOs are committing suicide due to the SIR. Some opposition leaders are using this as an excuse to label the SIR as unnecessary and a form of vote theft. The Election Commission must be vigilant against this negative campaign surrounding the SIR. It's not right for opposition parties to point out discrepancies in voter lists and oppose the SIR. It's true that the SIR is a relatively laborious process, but that doesn't mean it shouldn't be carried out at all. BLOs play a crucial role in this process. They have to go door-to-door to verify voters. It has been observed that many BLOs perceive this task as a burden. Their first instinct is to avoid becoming BLOs. This is not right. It's like soldiers refusing to go to the front lines. If everyone avoids the SIR, how can such an important task be accomplished? Proper elections can only be conducted if voter lists are accurate, and for this, SIRs are essential. Now that the Election Commission has stepped forward to familiarize itself with the problems faced by BLOs, it must specifically examine whether their difficulties are due to lack of training or technical issues. In the case of a BLO's suicide in Bengal, it was revealed that he had collected the necessary information but had not uploaded it due to lack of clear instructions. The Election Commission must ensure that all problems faced by BLOs, whether small or large, are resolved and that they do not suffer from stress due to lack of proper instructions or technical glitches. Although the Election Commission has increased the honorarium of BLOs and other officials, it must also investigate the reasons behind the workload. Where problems exist, it should consider relaxing deadlines, as proper completion is even more crucial.

कोर्ट में केस डायरी नहीं की पेश, हाजिर भी नहीं हुआ दरोगा, मुकदमा हो गया दज..27 को सुनवाई

कोर्ट में केस डायरी और हाजिर नहीं होने पर दरोगा के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। इसकी सुनवाई 27 नवंबर को होगी।

मामला दहेज उत्पीड़न केस से जुड़ा हुआ है। अदालत में दरोगा विनीत कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। दरोगा पर यह कार्रवाई एसीजेएम प्रथम मुनेंद्र पाल सिंह के आदेश पर हुई है। दरोगा को केस डायरी समेत अदालत में पेश होने के आदेश दिए थे लेकिन दरोगा हाजिर नहीं हुआ।अब इस मामले में 27 नवंबर को सुनवाई होगी। अमरोहा के मातीपुर जलालपुर घना निवासी नवीता ने अपने पति नवनीत समेत ससुराल के अन्य लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न में सिविल मुरादाबाद के लाइंस थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

पीड़िता ने अपने अधिवक्ता के जरिए सीजेएम कोर्ट में प्रार्थनापत्र दाखिल किया था जिसमें पीड़िता ने बताया कि नवनीत पुलिस विभाग में है जिस कारण केस के विवेचक विनीत कुमार कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं।

महिला के प्रार्थनापत्र की सुनवाई एसीजेएम प्रथम मुनेंद्र पाल सिंह की अदालत में हुई। अदालत ने विवेक को केस डायरी के साथ 17 नवंबर को प्रवेश होने के आदेश दिए लेकिन विवेचक कोर्ट में पेश नहीं हुआ। 20 नवंबर को भी केस डायरी के साथ पेश होने को कहा लेकिन विवेचक में हाजिर नहीं हुआ। इस पर अदालत ने नाराजगी जताते हुए दरोगा के खिलाफ धारा 29 पुलिस एक्ट में कार्यवाही के आदेश कर दिए जिसमें अदालत ने टिप्पणी की है कि दरोगा ने घोर उदासीनता व लापरवाही बरती है जिस कारण दरोगा के कार्रवाई की है। इस मामले में अब 27 नवंबर को सुनवाई होगी।

रंगदारी मांगने में दो यूट्यूबर गिरफ्तार, व्यापारी से मांगे थे 50 हजार, तीन हजार जेब से निकाल लिए

मुरादाबाद में रंगदारी मांगने वाले दो यूट्यूबरों को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि दोनों ने एक कारोबारी से 50 हजार रुपये की मांग की थी। दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। कटघर थानाक्षेत्र में एक व्यापारी से 50 हजार रुपये की रंगदारी मांगने के आरोप में पुलिस ने दो यूट्यूबर को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी पीड़ित को लंबे समय से परेशान कर रहे थे सोशल मीडिया पर भी उनके खिलाफ आपत्ति जनक टिप्पणी कर रहे थे। मंगलवार शाम दोनों को कोर्ट में पेश किया जहां से आरोपी जेल भेज दिए गए हैं।एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि कटघर क्षेत्र के इस्लामनगर निवासी अय्यूब खान पीतल का काम करते हैं। उन्होंने सोमवार रात कटघर थाने में जाहिद नगर करूला निवासी आलम अंसारी और उसके बाबू केसर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई जिसमें अय्यूब ने बताया कि सोमवार शाम पंडित नगला अपने घर लौट रहा था।रास्ते में यूट्यूबर आरोपी आलम अंसारी और बाबू केसर मिल गए। आरोप है कि दोनों ने अय्यूब के सीने पर तमंचा लगाकर 50 हजार रुपये की मांग की। रुपये न देने पर हत्या करने की धमकी दी। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी उसकी जेब से तीन हजार रुपये भी निकाल लिए और बाकी रकम की व्यवस्था करने के लिए कहा था। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि आरोपी आलम अंसारी और बाबू केसर को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के पास से रंगदारी में वसूले गए तीन हजार रुपये में से 2600 रुपये भी बरामद कर लिए हैं। मंगलवार की शाम पुलिस ने दोनों को कोर्ट में पेश किया जहां से आरोपी जेल भेज दिए गए हैं। चरस की तस्करी के आरोप में महिला समेत चार गिरफ्तार- सिविल लाइंस थाने की पुलिस ने मंगलवार को आदर्श कॉलोनी निवासी कंचन को चरस की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने महिला के कब्जे से एक किलो 400 ग्राम चरस बरामद की है। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसके अलावा कटघर थाने की पुलिस ने डबल फाटक शिव मंदिर वाली गली निवासी दीपक, सूरजनगर पीतलबस्ती निवासी विजयवीर उर्फ टींकल और कटघर के रहमत नगर गली नंबर एक निवासी अकरम को चरस के साथ गिरफ्तार किया है। अकरम से एक किलो 200 ग्राम चरस बरामद की गई है। दीपक और विजय वीर सिंह भी चरस बरामद की गई है। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि महिला समेत चार लोगों को चरस की तस्करी में गिरफ्तार किया गया है। सभी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया हैं जहां से आरोपी जेल भेज दिए गए हैं।

स्टेट हॉकी टूर्नामेंट में रामपुर डीएसए ने सहारनपुर को 2-0 से हराया

रामपुर। महात्मा गांधी फिजिकल कॉलेज स्टेडियम मैदान में चल रहे सेकेंड हसन आगा मेमोरियल स्टेट हॉकी टूर्नामेंट में रामपुर डीएसए,हरदोई,गाजियाबाद प्रतापगढ़ ने जीत दर्ज कर अगले राउंड मे प्रवेश किया।टूर्नामेंट के तीसरे दिन चार मैच खेले गए, जिसमें रामपुर डीएसए व सहारनपुर के बीच खेले गए मैच में टाईबरेकर में रामपुर डीएसए ने 2-0 जीत दर्ज की। दूसरा मैच, चांदपुर व हरदोई के बीच खेला गया, जिसमें हरदोई की ओर से अभिषेक व प्रशांत ने गोल किया तो वहीं चांदपुर की ओर से नदीम व तरुण ने गोल कर मैच ड्रा कराया। ट्राई ब्रेकर में हरदोई ने 3-1 से जीत दर्ज की।तीसरा मैच गाजियाबाद व काशीपुर के बीच खेला गया, जिसमें गाजियाबाद की ओर से हस्सान, अभय, विनोद सैनी, प्रहलाद ने गोल कर 4-0 से काशीपुर को हराया। चौथा मैच रामपुर छात्रावास व प्रतापगढ़ के बीच खेला गया, जिसमें ट्राई ब्रेकर में प्रतापगढ़ ने 3-2 जीत दर्ज की। इस दौरान जमशेद आगा, फैजान आगा,मुख्तार खां , अनिल आर्य, मो. जावेद, सुनील, मुशीर अहमद आदि मौजूद रहे।

हाईवे की लीकेज पाइप लाइन दूसरे दिन हुई ठीक, जाम से जूझे लोग

बिलासपुर। नगर पालिका प्रशासन ने मंगलवार को दूसरे दिन नैनीताल हाईवे पर कई दिनों से लीकेज भूमिगत पेयजल पाइप लाइन की गड्ढा खोदवाकर मरम्मत करा दी है। नगर की पेयजल आपूर्ति दोपहर तक ठप रही। वहीं, पूरे दिन वाहन भी हाईवे पर गड्ढा बंद होने तक वाहन जाम में होकर गुजरे। पुलिस ने भारी वाहनों को नैनीताल हाईवे पर बाईपास से होकर गुजारा। नगर में नैनीताल रोड पर मुख्य चौराहे के पास पेयजल की भूमिगत पाइप लाइन बीते काफी दिनों से लीकेज थी। हाईवे पर पानी बहने की शिकायत पर पालिका के ईओ डॉ नितिन गंगवार ने रविवार की रात हाईवे पर करीब 12 फीट गहरा गड्ढा खोदवा कर पाइप लाइन मरम्मत कराने का कार्य शुरू कराया था। सोमवार को कार्य पूरा नहीं हो सका था। लिहाजा मंगलवार की दोपहर तक पाइप लाइन मरम्मत का कार्य पूरा हो सका।गड्ढा पाटने का कार्य शाम तक चला। इस दौरान वाहनों को पूरे दिन जाम के बीच होकर गुजरना पड़ा। नगर की पेयजल आपूर्ति भी दोपहर तक बंद रही। ईओ ने बताया कि दोपहर के बाद पेयजलापूर्ति सुचारु कर दी गई है। हाईवे पर गहरा गड्ढा होने की वजह से पुलिस प्रशासन ने भारी वाहनों को नैनीताल हाईवे पर बाईपास से होकर गुजारा। पूरे दिन छोटे व हल्के वाहन जाम के बीच होकर गुजरे। नगर के लोगों को पेयजल की भी किल्लत से भी जूझना पड़ा। कोतवाली प्रभारी बलवान सिंह ने बताया कि भारी वाहनों को हाईवे बाईपास से गुजारा गया है। हल्के व छोटे वाहनों को नगर से होकर गुजारा गया है। पूरे दिन पुलिस जाम खुलवाने में लगी रही थी।

रामपुर जिला अस्पताल में 24 घंटे में पांच मरीजों की मौत, प्रबंधन पर उठे सवाल, डॉक्टर बोले- कारण बीमारी

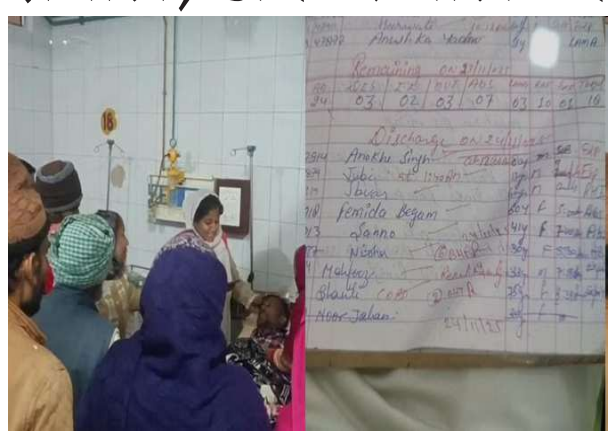

रामपुर जिला अस्पताल में 24 घंटे के भीतर पांच मरीजों की मौत हो गई। तीमारदारों ने अस्पताल पर उपचार में लापरवाही का आरोप लगाया है। चिकित्सकों ने बताया कि मरीजों की मौत बीमारी के कारण हुई है। रामपुर जिला अस्पताल में 24 घंटे के अंदर पांच मरीजों की मौत का मामला सामने आया है। मरीजों के तीमारदारों ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उधर, अस्पताल प्रशासन ने मौत का कारण गंभीर बीमारी को बताया है।जिला अस्पताल में रविवार रात पांच गंभीर मरीजों को इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया था, जहां पर सोमवार सुबह तक उपचार के दौरान पांच मरीजों की मौत हो गई। इसमें अनोखे सिंह (80), जुबे (13) ,महफूज (33), शांति (70) और वीरवती (60) शामिल हैं।जबकि जब्बार की हालत खराब होने पर उसे हायर सेंटर रेफर किया गया है। अस्पताल ने प्रशासन ने इलाज के दौरान तीन मरीज महफूज, अनोखे और शांति की मौत की पुष्टि की है। परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप - मृतकों के परिजन अस्पताल प्रशासन पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। मरीजों का आरोप है कि वार्ड में भर्ती मरीज की हालत खराब होने पर इमरजेंसी में तैनात डॉक्टरों से संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन इमरजेंसी में डॉक्टर मौजूद नहीं थे, जिसके बाद इलाज के अभाव में मरीजों की मौत हो गई। सोशल मीडिया में इसका भी वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें तीमारदार डॉक्टर पर मौके पर नहीं होने का आरोप लगा रहे हैं। इमरजेंसी वार्ड में तीन मरीजों को गंभीर हालत में भर्ती कराया था, हालत ज्यादा खराब होने पर उन्हें रेफर कर दिया था। मरीजों के परिजन उन्हें हायर सेंटर लेकर नहीं गए, जिससे उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। साथ ही लापरवाही और डॉक्टर के गैरहाजिर होने के लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं। जांच में सभी डॉक्टर ड्यूटी पर तैनात थे और वह अन्य वार्ड में ही मरीजों की जांच कर रहे थे। - डॉ.बीसी सक्सेना,सीएमएस जिला अस्पताल

शाहबाद में पांच गोतस्करों से पुलिस मुठभेड़, तीन आरोपी भाग निकले, दो को लगी गोली... अस्पताल में भर्ती

शाहबाद में पुलिस की गोतस्करों से मुठभेड़ हो गई। इसमें दो के पैर में गोली लगी है। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रामपुर पुलिस की शाहबाद में पांच गोतस्करों के साथ मुठभेड़ हो गई। इसमें दो बदमाशों के पैर में गोली लगी है। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने मंगलवार रात को गोकशी में सक्रिय गिरोह पर कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए आरोपियों में एक हिस्ट्रीशीटर भी शामिल है। वहीं, तीन आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए। पुलिस ने मौके से अवैध हथियार और वाहन बरामद किया है। अधिकारियों ने बताया कि शाहबाद पुलिस गश्त और चेकिंग कर रही थी।इसी दौरान रामगंगा नदी के किनारे बमनपुरी श्मशान घाट के सामने से एक टाटा एस (छोटा हाथी) ढकुरिया गांव की ओर से आती दिखाई दिया। टीम ने वाहन को रोकने का प्रयास किया तो उसमें सवार आरोपियों ने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में दो आरोपी पैर में गोली लगी जबकि तीन मौके से फरार हो गए। घायल अवस्था में शाहबाद के नालापार का रहने वाला हिस्ट्रीशीटर सुभान और बदायूं के बिसौली क्षेत्र के नई बस्ती का रहने वाला परवेज शामिल है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस को घटना स्थल से दो तमंचे 315 बोर, चार कारतूस, नाल में फंसे दो खोखा कारतूस, कुल्हाड़ी, चापड़, छुरी, लकड़ी का गोल गुटका, पशु बांधने की रस्सी और करीब 100 काली पन्नी बरामद हुई है। दोनों घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रामपुर भेजा गया है। पूछताछ में अभियुक्तों ने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने साथियों के साथ तीन दिन पहले रात में ढकिया के पास गोवंशीय पशु का वध किया था। इस मामले में थाना शाहबाद कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

हाईवे पर जाम में फंसी कार में टेपों ने मारी टक्कर, हंगामा

बिलासपुर। नगर में नैनीताल हाईवे पर मंगलवार की दोपहर जाम के दौरान एक टेंपो ने कार में टक्कर मार दी, जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। इस दौरान दोनों पक्षों में जमकर हंगामा हुआ। बाद में लोगों ने दोनों पक्षों के बीच आपसी समझौता करा दिया।एक व्यक्ति मंगलवार की दोपहर करीब 12 बजे कार से अपने परिवार के साथ रामपुर की ओर जा रहा था। नगर में नैनीताल हाईवे पर लगे जाम के बीच यूको बैंक के पास एक टेंपो चालक ने ओवरटेक करके अपने टेंपो को कार से आगे निकालने का प्रयास किया।आरोप है कि ओवरटेक के दौरान टेंपो की टक्कर कार में लग गई और कार क्षतिग्रस्त हो गई। कार सवार लोगों ने टेंपो चालक को पकड़ लिया और इस दौरान दोनों पक्षों के बीच जमकर हंगामा हुआ। इस बीच हाईवे पर और अधिक जाम लगने लगा। बाद में कुछ लोगों ने दोनों वाहनों को हाईवे किनारे खड़ा कराकर आपसी समझौता करा दिया। खजुरिया थाना क्षेत्र के ग्राम दलकी निवासी रितेश कुमार गंगवार रूद्र बिलास चीनी मिल में कार्य करते हैं। परिजनों के अनुसार रितेश सोमवार की शाम करीब 6-30 बजे चीनी मिल में ड्यूटी करके बाइक से अपने घर वापस जा रहे थे। रास्ते में ढाकी गांव के पास किसी अज्ञात वाहन चालक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी, जिसके कारण वह बाइक समेत रोड किनारे गेहूं के खेत में जाकर गिरे। रास्ते से गुजर रहे लोगों ने घायल को देखा तो तुरंत रम्पुरा गांव में एक निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया। परिजन घायल को रात में ही रुद्रपुर के एक अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बरेली के एक अस्पताल रेफर कर दिया। घटना की शिकायत घायल के चाचा हरीश गंगवार ने पुलिस से की है। वहीं, ग्राम कोठा जागीर निवासी दूध विक्रेता बृजेश यादव मंगलवार की सुबह करीब दस बजे दूध लेकर नगर को आ रहे थे। ग्राम कोठा जागीर से निकलते ही रेलवे स्टेशन रोड के पास किसी अज्ञात बाइक सवार ने टक्कर मार दी, जिसके कारण वह घायल हो गए। घायल को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। कोतवाली प्रभारी बलवान सिंह ने बताया कि दलकी गांव के मामले में जांच की जा रही है और जांच के बाद ही आगामी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

धोखाधडी मामले में कोर्ट के आदेश पर पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ चोरी और धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि महंत गिरी के सभी दस्तावेज और खाते में पड़े 5 लाख 85 हजार रुपये फर्जी विरासत बनाकर धोखाधड़ी से हड़प लिए है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। क्षेत्र के लोहा पट्टी गांव स्थित बुढ़े बाबा मंदिर के महंत विजय गिरी महाराज के अनुसार 17 अप्रैल को बूढ़े बाबा मंदिर पर ग्रामवासियों की सहमति से प्रार्थी को बतौर महंत नियुक्त किया था। पूर्व में इसी मंदिर पर महंत रवि गिरी महाराज महंत थे। एक अप्रैल को वह संदिग्ध परिस्थितियों में ब्रह्मलीन हो गए थे। मंदिर पर बतौर मैनेजर संकेत सक्सेना उर्फ चिंटू मंदिर पर कार्य कर रहे थे। आरोप है महंत गिरी के सभी दस्तावेज और खाते में पड़े 5 लाख 85 हजार रुपये फर्जी विरासत बना कर धोखाधड़ी से गांव निवासी संकेत सक्सेना व उसके सहयोगी महेश गंगवार, सतीश गंगवार, पुरूषोतम, उर्फ लाला, रामप्रकाश सक्सेना ने आश्रम से सोने की अंगूठी, चांदी के चार सिक्के, बाजूबंद, माथे की विंदा, सोने के सूरज, सोने की ईंट, कूलर, फ्रीज, बर्तन ब अन्य समान गायब कर दिए। पीड़ित ने 10 जुलाई को सभी समान वापस करने के लिए कहा तो सभी आरोपी मारपीट कर जान से मारने के लिए आमादा हो गए। पीड़ित ने मामले की शिकायत कोतवाली में तहरीर दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित ने मामले में न्यायालय की शरण ली। जिसके बाद न्यायालय के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने सभी पांच आरोपीयों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सात सौ करोड़ रुपये से लगेंगी रामपुर में इकाइयां, प्रस्ताव किया तैयार

रामपुर। जिले में सात सौ करोड़ रुपये से औद्योगिक इकाइयों को लगाया जाएगा,जिसमें अकेले पांच सौ करोड़ रुपये की सात इकाइयां भी शामिल रहेंगी। उद्योग विभाग ने इसके लिए प्रस्ताव तैयार कर लिया है। अब अगले माह होने वाले ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (भूमि पूजन) कार्यक्रम में इन इकाइयों को लगाने का काम शुरू हो जाएगा।यूपी सरकार उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव कोशिश कर रही है। एक ओर जहां 2024 की शुरुआत में ही हुई इन्वेस्टर्स समिट में रामपुर में उद्योग लगाने के लिए 738 से ज्यादा निवेशकों ने करीब 9000 करोड़ के एमओयू साइन किए थे। इसमें 4137 करोड़ रुपये की लागत से 92 नई इकाइयों की स्थापना को मंजूरी मिली थी। जिनमें से 64 इकाइयां स्थापित करने की बात कहीं जा रही है। अब हाल ही में उद्योग विभाग की ओर से जिला स्तर पर ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत अब जिले के उद्यमियों से उद्योग लगाने के प्रस्ताव मांगे गए थे।अब तक उद्योग विभाग के पास सात सौ करोड़ से ज्यादा के प्रस्ताव आ चुके हैं, इनमें पांच सौ करोड़ रुपये की लागत से बिलासपुर समेत जिले के अन्य क्षेत्र में फूड प्रोसेसिंग की यूनिट स्थापित करने के लिए प्रस्ताव तैयार किया गया है। बिलासपुर के अलावा यह यूनिट मिलक, स्वार व टांडा में लगाई जाने की योजना है। इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इनका भूमि पूजन दिसंबर में कराए जाने की तैयारी चल रही है।

दौड़ में अभिभावक अमीर, निशान, राखी, वंदना रहे अब्बल

बिलासपुर। आरएएन पब्लिक स्कूल में स्पोर्ट्स फिएस्टा फिट फैमिलीज, हैप्पी हार्ट्स का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि स्कूल चेयरमैन विंग कमांडर एच के राय ने डायरेक्टर मोहित राय, प्रिंसिपल ममता बिष्ट, मेघना गुप्ते, रेखा कर्नाटक के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद छात्र छात्राओं ने मार्चपास्ट किया। छात्र छात्राओं ने ऐरोबिक्स, योग, मास ड्रिल और कराटे का शानदार प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। दौड़ में अमीर सिंह, निशान सिंह, राखी शर्मा, वंदना सिंह प्रथम रहे। मनोज सिंह, जसदेव सिंह, कंचन मुंजल, अनुपमा द्वितीय, पुनीत संधू, रिंकल, गिरीश चंद, गुरमीत सिंह तृतीय स्थान पर रहे। विजेता बच्चों व अभिभावकों को मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

कांति कपूर सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज में सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बुद्धवार को सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को मुख्य वक्ता के रूप् में बालिका शिक्षा की अखिल भारतीय संयोजिका सुश्री रेखा चूड़ासमा जी उपस्थित रहीं आपने कुटुंब प्रबोधन एवं पर्यावरण के संबंध में भारतीय दृष्टि के संबंध में अपना मत रखा। आपने आत्मविश्वास का भाव जागृत करने स्व का बोध कराने एवं परिवार भाव जागृत करने की प्रेरणा दी। भारत की परिवार व्यवस्था को सबसे बड़ी सफलता की पूँजी बताया एवं भाषा, भूषा, भजन, भ्रमण, भोजन के महत्व को बताया। कार्यक्रम में छात्राओं की समूह गीत, प्रेरणा दायी महिलाओं के संदेश एवं मातृ शक्तिओं की प्रश्नोत्तरी, एवं अनुभव कथन के माध्यम से प्रतिभागिता रहीं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बरेली कॉलेज की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ0 अजिता सिंह तिवारी जी रही जिन्होने भारत के विकास में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता बरेली कॉलेज की प्रोफेसर डॉ नीलम गुप्ता जी ने की और नागरिक कर्तव्यों को बताया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रबंध समिति की अध्यक्षा डॉ रश्मि शर्मा जी, प्रबन्धिका श्रीमती सरोज अग्रवाल जी, सदस्या श्रीमती भारती अग्रवाल जी, श्रीमती माया खुल्वे जी, श्रीमती कविता विशनोई जी, डॉ मीनाक्षी चन्द्रा जी, सप्तशक्ति संगम प्रभारी श्रीमान रामकिशोर श्रीवास्तव जी एवं प्रधानाचार्या श्रीमती अर्चना जी एवं शिक्षिका मोक्षिता सक्सेना, निधि शर्मा, भावना शर्मा, प्रतिभा शर्मा, ज्योति अग्रवाल, नम्रता अखण्ड आदि उपस्थित रहीं। श्रीमती सरोज अग्रवाल जी ने आभार ज्ञापन किया एवं कार्यक्रम का संचालन श्रीमती प्रिया सक्सेना ने किया।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह की तैयारियों के सम्बन्ध में डीएम ने की बैठक

उपहार स्वरूप दिए जाने वाले सभी सामान का वितरण कराए जाने के दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा /बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह की तैयारियों के सम्बन्ध में बैठक कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में अवगत कराया गया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत दिनांक 27 नवम्बर 2025 को नगर निगम, विकास खण्ड भुता, फरीदपुर, भदपुरा, नवाबगंज, भोजीपुरा, बिथरी चैनपुर, क्यारा एवं नगर पालिका परिषद फरीदपुर, नवाबगंज नगर पंचायत सेंथल, धौराटांडा, रिठौरा, ठिरिया निजावत खाँ एवं दिनांक 28 नवम्बर 2025 को विकासखण्ड आलमपुर जाफराबाद, मझगवां, रामनगर, बहेड़ी, रिछा, फतेहगंज पश्चिमी, मीरगंज, शेरगढ़ नगर पालिका परिषद आंवला, बहेड़ी, नगर पंचायत बिशारतगंज, देवरनियां, रिछा, शेरगढ़, शीशगढ़, फतेहगंज पश्चिमी, मीरगंज, शाही का सामूहिक विवाह हेतु वृहद कार्यक्रम का आयोजन बरेली कॉलेज, बरेली के मैदान में किया जाएगा। जिसमें दोनों दिवसों में लगभग 1000 जोड़ों के साथ उनके परिवार के लगभग 12000 सदस्यों द्वारा उक्त कार्यक्रम में भी प्रतिभाग किया जाएगा।

बैठक में अवगत कराया गया कि अबकी बार वर-वधु का बायोमेट्रिक कराए जाने के निर्देश शासन स्तर से दिए गए हैं, जिस हेतु 09 बायोमैट्रिक मशीनों की व्यवस्था की गयी है, जिसके माध्यम से वर-वधु की बायोमेट्रिक की जाएगी। वर-वधु अपना-अपना आधार कार्ड लेकर अवश्य आए। सामूहिक विवाह में प्रत्येक जोड़ों को 24 सामान उपहार स्वरुप दिए जाएंगे। पंडाल में जगह-जगह सेल्फी तथा वधुओं को तैयार होने के लिए चेजिंग रुम भी बनाए जाएंगे। बैठक में जिला पंचायत राज अधिकारी को सामूहिक विवाह स्थल, बरेली कॉलेज के प्रंगाण की साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित कराए जाने के निर्देश दिए गए। बरेली कॉलेज प्रंगाण एक स्वास्थ्य शिविर और एम्बुलेंस की व्यवस्था तथा अग्निशमन की दो गाड़ियों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि वर-वधु एवं उनके परिजनों के लिए भोजन की समुचित व्यवस्था की गई है। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि उपहार स्वरूप दिए जाने वाले समस्त सामान का वितरण सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी तरीके से किया जाए, जिससे किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी व्यवस्थाओं को नियमित निगरानी की जाए तथा कार्यक्रम के दिन किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि सामूहिक विवाह सामाजिक समरसता का प्रतीक है, अत: इसे गरिमामय एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया जाना सभी की जिम्मेदारी है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी देवयानी, परियोजना निदेशक डीआरडीए चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव, डीसी मनरेगा हसीब अंसारी, जिला विकास अधिकारी विकास कुमार यादव, डीसी एनआरएलएम, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी, समस्त बीएलओ सहित सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

डीएम की अध्यक्षता में नगर निगम की एन कैप की हुई बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा /बरेली । जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में नगर निगम की एन कैप की बैठक कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में मृत पशुओं के शरीर के निस्तारण पर चर्चा की गयी, जिस पर जिलाधिकारी ने कहा कि लखनऊ आदि में किस प्रकार किया जा रहा है, उसे पता किया जाए और उसी पैटर्न को अपनाया जाये। जिलाधिकारी ने एक बड़ी कान्हा गौशाला बनाये जाने हेतु उपयुक्त स्थान चयनित करने के निर्देश दिये तथा तहसील नवाबगंज में उपलब्ध भूमि का उपयोग करने का सुझाव दिया। नगर आयुक्त ने बताया कि डिफेंस की जमीन पर गौशाला बनाने हेतु भी बात की गयी है। बैठक में बायोडेवेरस्टी पार्क का निर्माण इनवर्टिस यूनिवर्सिटी के बगल में कराए जाने तथा विभिन्न क्षेत्रों में सीसी रोड व साइड पटरी का निर्माण कराए जाने की भी चर्चा की गयी। बैठक में नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य, प्रभागीय वनाधिकारी दीक्षा भण्डारी, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग सहित सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

औद्योगिक टाउनशिप में जमीन देने वाले किसानों को हाथोंहाथ मिलेगा मुआवजा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। विकास प्राधिकरण (बीडीए) बोर्ड की बैठक में औद्योगिक टाउनशिप का कार्य शुरू करने के लिए सैद्धांतिक स्वीकृति मिल गई है। इस टाउनशिप के लिए किसानों को हाथोंहाथ मुआवजा दिया जाएगा। इधर उनकी जमीन की रजिस्ट्री होगी, उधर उनको मुआवजे का चेक मिल जाएगा। बीडीए अधिकारियों के मुताबिक टाउनशिप को लॉजिस्टिक हब, ट्रांसपोर्टनगर, वेयर हाउस और इंडस्ट्रियल एरिया चार जोन में बांटा गया है। लॉजिस्टिक हब के लिए 125 हेक्टेयर भूमि रहपुरा चौधरी में ली जाएगी। अगले सप्ताह से इसकी कवायद शुरू होगी। लॉजिस्टिक हब को जोन एक में रखा गया है। यहीं से टाउनशिप की शुरुआत होगी।इसमें 750 वर्गमीटर के 45, एक हजार वर्गमीटर के 32, दो हजार वर्गमीटर के 10, 3750 वर्गमीटर के 10 और पांच व 10 हजार वर्गमीटर के दो-दो भूखंड होंगे। जोन-2 में वेयर हाउस, तीन में ट्रांसपोर्टनगर व चार में इंडस्ट्रियल एरिया को रखा गया है। इनमें भी 750 से लेकर 10 हजार वर्गमीटर तक के प्लॉट होंगे। ये होंगी सुविधाएं ईटीपी, एसटीपी, ई-चार्जिंग स्टेशन, कॉमन पार्किंग एरिया, पेट्रोल-सीएनजी पंप, सीयूजीएल गैस लाइन, कैफेटेरिया, बैंक व पोस्ट ऑफिस, फायर स्टेशन और फायर हाइड्रेंट नेटवर्क, मेडिकल फैसिलिटी सेंटर, कॉमन फैसिलिटी सेंटर, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम, मजदूरों के लिए डॉरमेट्री व हॉस्टल। एक्सईएन एपीएन सिंह ने बताया कि औद्योगिक टाउनशिप के लिए सैद्धांतिक स्वीकृति मिल गई थी। इसके बाद कार्य शुरू कराया गया है। लॉजिस्टिक हब के लिए जल्द भूमि अधिग्रहण होगा। किसान आकर अपनी रजिस्ट्री कराएं। साथ ही मुआवजे का चेक भी ले जाएं।

बीएलओ ड्यूटी के दौरान हुई शिक्षक की मौत, हार्ट अटैक से गई जान

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में बीएलओ की ड्यूटी के दौरान शिक्षक सर्वेश कुमार गंगवार की मौत हो गई। ड्यूटी के दौरान बुधवार को उनको अचानक हार्ट अटैक आ गया। परिजन आनन-फानन में उन्हें लेकर बरेली के मिनी बाईपास स्थित प्रताप हॉस्पिटल पहुंचे, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल के डॉक्टर वीरेंद्र प्रताप गंगवार ने बताया कि शिक्षक को जब अस्पताल लाया गया, उससे पहले ही उनकी मौत हो गई थी। पुष्टि के बाद शव को लेकर परिजन और स्कूल स्टाफ वापस चले गए। उधर, भोजीपुरा थाना पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। जानकारी मिलने पर प्रशासनिक अफसर भी स्कूल पहुंचे और स्टाफ से जानकारी ली। जानकारी के मुताबिक शिक्षक सर्वेश कुमार मूल रूप से शाहजहांपुर के मीरानपुर कटरा थाना क्षेत्र के गांव कसरक के रहने वाले थे। बरेली के इज्जतनगर क्षेत्र की कृष्ण होम कॉलोनी में भी उनका घर है। यहां वह परिवार के साथ रहते थे। वह भोजीपुरा ब्लॉक क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय डोली में सहायक अध्यापक के रूप में कार्यरत थे। वर्तमान में एसआईआर अभियान में बीएलओ का काम बखूबी देख रहे थे।।

प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक जर्नलिस्ट एसोसिएशन का 27 वा अधिवेशन लखनऊ में होगा

जर्नलिस्ट सम्मान समारोह 4 भी जनवरी को -सुनील त्रिपाठी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली लखनऊ ,-प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक जर्नलिस्ट एसोसिएशन का 27 वा अधिवेशन एवं जर्नलिस्ट सम्मान समारोह 4 जनवरी 2026 को 10ः बजे से सभागार एसकेडी स्कूल लखनऊ में होगा अधिवेशन को सफल बनाने के लिए उत्तर प्रदेश इकाई के प्रदेश कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारी जो मंडल सह प्रभारी हैं तथा जिला अध्यक्षों से अपील की गई है कि वह अपने जनपद से अधिक से अधिक पत्रकारों को आयोजन में लाने के लिए जनपदों में बैठक बुलाकर अधिवेशन को सफल बनाने का काम प्रारंभ कर दें श्री त्रिपाठी ने कहा कि इस बार आयोजन में माननीय राज्यपाल जी एवं माननीय मुख्यमंत्री जी को आमंत्रित किया गया है इसलिए अधिवेशन में शामिल होने के लिए 3 जनवरी की रात को लखनऊ आने वाले पत्रकारों को ठहरने की व्यवस्था आर्य समाज संस्थान नरही लखनऊ में की गई है क्योंकि सभी पत्रकारों का रजिस्ट्रेशन आयोजन स्थल पर प्रात: 9ः बजे से प्रारंभ कर दिया जाएगा और 10ः बजे तक जो पत्रकार रजिस्ट्रेशन करा लैगे उन्हें प्रवेश कार्ड के माध्यम से आयोजन में प्रवेश दिया जाएगा प्रदेश अध्यक्ष श्री त्रिपाठी ने कहा सम्मानित होने वाले पदाधिकारी की सूची 20 दिसंबर को माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के साथ नाम तय करने के बाद घोषित की जाएगी जिनकी सूचना उनको उनके व्हाट्सएप नंबर पर भेजी जाएगी अधिवेशन को सफल बनाने के लिए सभी को एकजुट होकर आयोजन को सफल बनाने के लिए आदेशित किया गया है यह जानकारी कार्यालय सचिव बी आर सिंह ने सभी पदाधिकारियों को दी है

हाईकोर्ट बेंच विवाद: मेरठ में सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयी के बयान पर भड़के वकील

मेरठ में हाईकोर्ट बेंच की मांग को लेकर आज वकीलों का आंदोलन तेज हो गया। इसी बीच सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयी के विवादित बयान से नाराज वकील उनके घर पहुंचकर विरोध जताने लगे। बयान से वेस्ट यूपी के वकीलों में रोष है।मेरठ में हाईकोर्ट बेंच की मांग को लेकर वेस्ट यूपी में चल रहे वकीलों के आंदोलन के बीच बुधवार को बीजेपी सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयी के बयान ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। सांसद के बयान के बाद बड़ी संख्या में वकील उनके आवास पहुंचे और विरोध जताया। सांसद का विवादित बयान आया सामने लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने प्रयागराज में हाईकोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले वकीलों को लेकर कहा- प्रयागराज में प्रैक्टिस कर रहे वकीलों का नंबर दीजिए, उन्हें चिट्ठी भेजकर ॥ष्ट बेंच पर समर्थन मांगूंगा। समर्थन दिया तो पीठ पर, नहीं दिया तो विरोध में खड़े होंगे। जब तक प्रयागराज में आग नहीं लगेगी, हम जलेंगे, वो मौज लेंगे। इस बयान के सामने आने के बाद वेस्ट यूपी के वकीलों में नाराज़गी बढ़ गई। सैकड़ों वकील पहुंचे सांसद के घर, आज बड़ा आंदोलन - सांसद के बयान के विरोध में बुधवार सुबह सैकड़ों वकील उनके घर पहुंचे। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट बेंच की मांग न्यायसंगत है और इस पर राजनीतिक बयानबाज़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बता दें कि मेरठ समेत वेस्ट यूपी के कई जिलों में वकील आज हाईकोर्ट बेंच को लेकर बड़ा आंदोलन कर रहे हैं। आज न्यायिक कार्यों से विरत रहकर अधिवक्ता विभिन्न जिलों में सांसदों के आवास पर पहुंचकर उनका घेराव कर रहे हैं।

शिक्षक लालरघुवीर सिंह ठाकुर भगवानराम और माता जानकी पंचमी विवाह के शुभ दिन पर 25 वी बार रक्तदान किया

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रवीण शर्मा राजधानी रायपुर - ग्राम देवार भाट (बालोद) निवासी शिक्षा दूत *शिक्षक समाज सेवी लाल रघुवीर सिंह ठाकुर (44 वर्ष) ने जिला अस्पताल में मरीज बेगम बानो निवासी ग्राम चिचबोड विकासखंड बालोद जिला बालोद के नाम रक्तदान किया। इस दौरान इस दौरान ब्लड बैंक स्टाफ डॉक्टर अजय साहू, उत्तम टंडन, दिलीप कुमार ,पोषण साहू,रविकांत साहू, हितेश्वरी साहू,श्रीमती बबीता सोनबोइर, गौ सेवक नरेंद्र जोशी उपस्थित रहे। लाल रघुवीर सिंह ठाकुर 2017 से लगातार ह ैतीन मे रक्त दान करते आ रहे है,आज 25 /11/ 2025 को अपना बी पॉजिटिव रक्तदान का 25की बार रक्तदान किया। शिक्षा के साथ-साथ लाल रघुवीर सिंह ठाकुर समाज हित में हर तीन माह में करते हैं रक्तदान महादान रक्तदान श्रेष्ट दान व श्रेष्ठ कर्म है। प्रत्येक इंसान को इंसानियत की खातिर अपने जीवन में रक्तदान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रक्त का कोई विकल्प नहीं है मानव रक्त से ही किसी मरीज को तत्काल रक्त की पूर्ति हो सकती इस। रक्तदान करने से शरीर में कमजोरी नहीं आती सभी स्वस्थ युवा को रक्तदान करना चाहिए। इसके पूर्व भी मरणोपरान्त समाज हित मे लाल रघुवीर सिंह ठाकुर मार्च 2022 में समाज हित में नेत्र जिला अस्पताल बालोद मे पंजीयन और देहदान की घोषणा पत्र मेडिकल कॉलेज रायपुर को भेज चुके हैं।

मुख्यमंत्री के निर्देशों पर अमल पर्यावरणीय मानकों एवं जैव-सुरक्षा नियमों के अनुरूप 48 घंटे के भीतर करना होगा निपटान

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रवीण शर्मा/ राजधानी रायपुर - रायपुर. नवम्बर 2025. राजधानी रायपुर में पिछले महीने हुए कलेक्टर-एसपी कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा दिए गए निर्देश पर अमल करते हुए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने शहरों में गौवंशीय एवं अन्य पशुओं के मृत शरीर के वैज्ञानिक एवं सुरक्षित निपटान के लिए उपयुक्त स्थल निर्धारित करने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने सभी नगरीय निकायों को परिपत्र जारी कर पर्यावरणीय मानकों और जैव-सुरक्षा नियमों के अनुरूप 48 घंटे के भीतर पशुओं के मृत शरीर के निपटान के लिए निर्देशित किया है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा मंत्रालय से सभी नगर निगमों के आयुक्तों तथा नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को जारी परिपत्र में कहा गया है कि सभी निकायों में गौवंशीय तथा अन्य पशुओं के मृत शरीर के वैज्ञानिक एवं सुरक्षित निपटान के लिए उपयुक्त स्थल का चयन करते हुए तत्काल इसका निर्धारण करें। विभाग ने निपटान का स्थल आबादी से उचित दूरी पर तथा पर्यावरणीय मानकों एवं जैव-सुरक्षा नियमों के अनुरूप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। नगरीय प्रशासन विभाग ने निकायों को मृत पशु के निपटान के लिए विशेष स्थान निर्धारित कर विधिवत निपटान के मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा है। विभाग ने परिपत्र में बताया है कि मृत पशुओं के निपटान की प्रक्रिया छत्तीसगढ़ नगरपालिक निगम अधिनियम, 1956 की धारा 258, मृत पशुओं का निराकरण एवं नगर पालिक निगम हेतु कूड़ा-करकट, गंदा, मल, मृत पशुओं तथा घृणोत्पादक पदार्थों का निपटान आदर्श उपविधियों, 2002 तथा छत्तीसगढ़ नगरपालिका अधिनियम, 1961 की धारा 289, जीव जन्तुओं के मृत शरीर के व्ययन के संबंध में विशेष उपबंध अधिनियम में उल्लेखित हैं। लोक सेवा गारंटी अधिनियम, 2011 के तहत मृत पशुओं के निपटान की सेवा 48 घंटे की समय-सीमा में प्रदान किया जाना अनिवार्य है।

5.81 करोड़ की लागत से पीडब्ल्यूडी कराएगा शिव मंदिर तक सड़क का निर्माण

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। पीडब्ल्यूडी धर्मार्थ योजना के तहत दो सड़कों का निर्माण कराएगा। 5.81 करोड़ की इस परियोजना को स्वीकृति देने के साथ ही करीब दो करोड़ रुपये जारी भी कर दिए गए हैं। नवाबगंज के शहरी भाग व एनएच-74 से ईधजागीर गांव के शिव मंदिर तक निर्माण कराया जाएगा। धर्मार्थ योजना के तहत लोक निर्माण विभाग के प्रांतीय खंड की ओर से नवाबगंज शहरी भाग में दो किमी सीसी, नाली और इंटरलाकिंग कराने का प्रस्ताव भेजा गया था। इस काम के लिए 2.45 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। वहीं एनएच-74 से ईधजागीर शिव मंदिर तक सड़क चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण के लिए भी प्रस्ताव भेजा गया था। शासन ने 1.40 किमी सड़क निर्माण कराने की स्वीकृति दी है। इस सड़क के चौड़ीकरण के लिए 91.38 लाख रुपये की स्वीकृति देते हुए 45.69 लाख की रकम आवंटित की गई है।

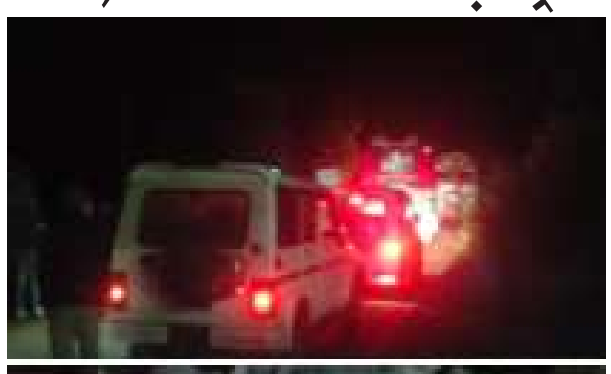

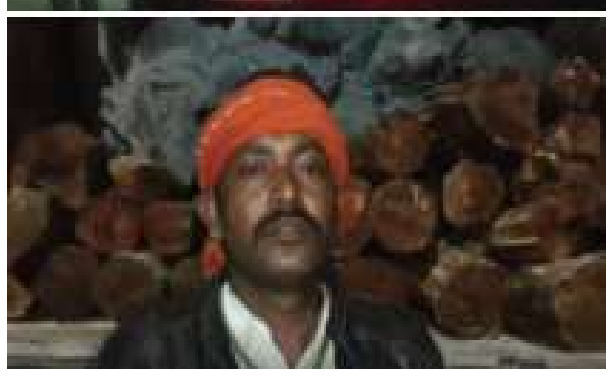

बिहारपुर चांदनी क्षेत्र में खैर लकड़ी तस्करी का मामला उजागर, ग्रामीणों ने पकड़ा ट्रक

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर। जिले के वनांचल बिहारपुर-चांदनी क्षेत्र में लकड़ी तस्करी लगातार बढ़ती जा रही है। खैर लकड़ी से भरा एक ट्रक मंगलवार को उस समय पकड़ में आया जब जागरूक ग्रामीणों ने उसे संदेहास्पद स्थिति में रोककर पूछताछ की। ट्रक में लकड़ी परिवहन के संबंध में कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला, जबकि ग्रामीणों के अनुसार इसे सतना भेजा जा रहा था। घटना की सूचना ग्रामीणों ने वन विभाग, पुलिस और राजस्व अमले को दी। ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित विभागों द्वारा समय पर कार्रवाई नहीं की जा रही है और तस्करों को संरक्षण मिलता दिखाई दे रहा है। इससे जंगल तेजी से खाली होते जा रहे हैं और ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि तस्करों के साथ मौजूद उनके गुर्गे उन्हें धमकाने का भी प्रयास कर रहे हैं, जिससे क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है।इस मामले में रेंजर मोवा लाल पटेल ने बताया कि खैर लकड़ी कटाई की अनुमति एसडीएम कार्यालय में प्राप्त की गई है और लकड़ी निजी पट्टे की भूमि पर काटी गई है।

शिकायत के आधार पर लकड़ी से भरा ट्रक विभाग द्वारा ज़ब्त कर लिया गया है। आगे की कार्रवाई उच्च अधिकारियों के निर्देश के अनुसार की जाएगी रेंजर के अनुसार लकड़ी परिवहन की अंतिम अनुमति अभी जारी नहीं हुई है। वहीं ठेकेदार का कहना है कि कटाई स्थल से चोरी की आशंका थी, इसलिए लकड़ी को केवल दूसरे स्थान पर शिफ्ट किया जा रहा था, इसका परिवहन नहीं किया जा रहा था। घटना के बाद क्षेत्र में माहौल गर्म है और ग्रामीण उम्मीद कर रहे हैं कि विभाग इस बार तस्करी पर ठोस और कठोर कार्रवाई करेगा।

सूरजपुर जिले में दो अलग-अलग अग्निकांड, किसानों को लाखों का नुकसान

चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र में आग की दो बड़ी घटनाएँ, ग्रामीणों में दहशत

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर। जिले के चांदनी-बिहारपुर वनांचल क्षेत्र में मंगलवार की रात दो अलग-अलग स्थानों पर हुए अग्निकांड में किसानों के हजारों रुपये मूल्य के धान के पैरावत जलकर खाक हो गए। दोनों घटनाओं में मिलाकर लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। पहली घटना- बिजली तार टूटने से धान में लगी आग- थाना गङ्घा क्षेत्र अंतर्गत नवागई गांव में रात के समय बिजली का तार अचानक टूटकर नीचे गिर पड़ा। चिंगारी सीधे धान के पैरावत पर जा गिरी, जिससे देखते ही देखते आग भड़क उठी। जब तक ग्रामीण मौके पर पहुंचे, तब तक हजारों का धान जलकर राख हो चुका था। घटना की जानकारी मिलते ही किसान रामाऊग्रर जायसवाल समेत अन्य लोग मौके पर पहुंचे, पर आग पर काबू नहीं पाया जा सका। दूसरी घटना- आग तपने के बाद चिंगारी से कहर- दूसरी बड़ी घटना ग्राम पंचायत कोल्हूआ में हुई, जहां ग्रामीण सरदार सिंह बीते रात्रि आग तापकर चले गए थे। सुबह जब लोग खेतों की ओर गए तो देखा कि धान के पैरावत के ढेर जल चुके हैं और धुएँ का गुब्बार आसमान में उठ रहा था। आशंका जताई जा रही है कि आग की चिंगारी उड़कर पैरावत तक पहुंच गई, जिससे हजारों का धान जल गया। दोनों घटनाओं से किसानों की कमर टूटी- लगातार दूसरे दिन हो रही आगजनी की घटनाओं से क्षेत्र के किसानों में भय और चिंता का माहौल है। दोनों किसानों का मिलाकर लाखों का नुकसान बताया जा रहा है। ग्रामीणों ने बिजली विभाग और प्रशासन से तत्काल सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। स्थानीय ग्रामीणों ने कहा – अगर समय रहते राहत मिली होती, तो नुकसान कम होता। दोनो जगह ग्रामीणों ने आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन तेज लपटों के कारण कुछ बचाया नहीं जा सका।

संक्षिप्त समाचार

80 साल की बुजुर्ग निरासी को आज तक नहीं मिला सरकारी योजनाओं का लाभ

क्यूँ न लिखूँ सच /चांदनी बिहारपुर- सरकार की योजनाएँ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के दावे जमीनी स्तर पर पूरी तरह फेल होते दिख... भग 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला ... भी राशनकार्ड, आधार कार्ड ... चलने-फिरने में असमर्थ हैं ... सी तरह अपना जीवन काट र... कम है। मजबूरी में महिला भी ... निरासी पहले मतदान भी क... सी भी सरकारी

दस्तावेज की व्यवस्था नहीं है। जिस कच्चे मकान में वह रहती थीं, वह अब पूरी तरह गिर चुका है, और महिला खुले में जीवन यापन कर रही है। बुजुर्ग निरासी बताती हैं कि उन्हें किसी भी योजना का लाभ नहीं मिलता, न ही कोई सहायता। केवल दो-चार किलो चावल मिलने की ही उम्मीद रहती है। निरासी की शादी उत्तर प्रदेश के चोपन में हुई थी। पति की मृत्यु के बाद वह पिछले 20 साल से अधिक समय से महुली में निवास कर रही हैं। अब सवाल यह है कि इतनी वृद्ध और बेसहारा महिला के मामले में प्रशासन कब ध्यान देगा और उन्हें बुनियादी सुविधाएँ कब मिलेंगी।

घुसपैठिये को रिमांड पर लेगी पुलिस, साथियों के बारे में करेगी पूछताछ; गिरफ्तार हुआ था बांग्लादेशी

पुलिस ने ठगी के मामले में बांग्लादेशी हसन को साथी के साथ गिरफ्तार किया था। उसने गुल्लू सोनकर को 300 रियाल देने का झांसा देकर दो लाख रुपये ठग लिए थे। लखनऊ के वजीरगंज की पुलिस ठगी के मामले में जेल में बंद बांग्लादेश के गोपालगंज के गोहाला गांव निवासी हसन शेख को रिमांड पर लेगी। पुलिस इसकी तैयारी कर रही है। रिमांड पर लेकर पुलिस उसके साथ घुसपैठ करने वाले दो साथियों के बारे में पूछताछ करेगी। बांग्लादेशी हसन शेख और पश्चिम बंगाल के रहने वाले उमर शेख ने 16 नवंबर को निशातगंज निवासी चूड़ी दुकानदार गुल्लू सोनकर को 300 रियाल देने का झांसा देकर दो लाख रुपये ठग लिए थे। शुक्रवार को पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया था। हसन के संपर्क में थे दोनों- पुलिस सूत्रों के मुताबिक हसन के साथ घुसपैठ करने वाले दो अन्य लोग लगातार उसके संपर्क में थे। रिमांड में लेकर पुलिस और खुफिया एजेंसी दोबारा उससे पूछताछ करेंगी। पुलिस उसे दिल्ली और मुंबई ले जा सकती है। साथ ही पुलिस पश्चिम बंगाल और दिल्ली के थानों में दर्ज मामलों को भी जानकारी हासिल करेगी।

राष्ट्रीय दुग्ध दिवस एवं संविधान दिवस के अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र शिवपुरी में आयोजित हुए कार्यक्रम

क्यूँ न लिखूँ सच /शिवपुरी, ब्यूरो। राष्ट्रीय दुग्ध दिवस एवं संविधान दिवस 26 नवंबर को कृषि विज्ञान केंद्र शिवपुरी पर आयोजित किया गया। जिसमें कृषि छात्रों कृषकों पशुपालकों तथा स्टाफ की सहभागिता में दोनों दिवस मनाए गए। एवं प्रमुख डॉ पुनीत कुमार के निर्देशन संविधान उद्देशिका का वाचन करते हुए की शपथ केंद्र के कार्यालय अधीक्षक दिवस के अवसर पर जिले के भेड़ गुप्ता चिकित्सा सहायक शल्ज्ञय द्वारा व्याख्यान पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के व्यावहारिक जानकारी भी दी गई। वही पशुपालक वीरू ओझा द्वारा अपनी उनके द्वारा डेयरी फार्म में पशुधन से विक्रय के द्वारा मासिक शुद्ध मुनाफा शासन के पशुपालन विभाग की ट्रिपल फोकस है। उनमें सेक्स सॉर्टेड सीमेन में हुई दो उन्नत नस्ल की बछडियो बदलाते हुए गाय और भैंस की उन्नत बनाकर ग्रामीण पलायन को रोका जा व्यतीत करने के बारे में अपने अनुभव सह नोडल अधिकारी प्राकृतिक खेती

कृषि विज्ञान केंद्र शिवपुरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक में आयोजन किए गए सर्वप्रथम भारत के नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों के निर्वहन सत्येंद्र गुप्ता द्वारा दिलाई गई। राष्ट्रीय दुग्ध प्रजनन प्रक्षेत्र में पदस्थ डॉ नितिन मोहन पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन तकनीकी पर माध्यम से दिया गया और पशुधन की जिले के ग्राम नोहरी के सफल युवा सफलता की कहानी की जानकारी देते हुए उत्पादन हो रहे प्रतिदिन 110 लीटर दूध के 75 हजार रुपए लिया जा रहा है। वही मध्य एस योजना जो जिला प्रशासन द्वारा विशेष तकनीक द्वारा वीरू ओझा ने अपनी पशुशाला जिसमे साहिवाल और गिर के बारे में भी दुधारू नस्लों के साथ पशुपालन को उद्यम सकता है और संतुष्टि पूर्ण आत्मनिर्भर जीवन साझा किये। वही केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ एम के भार्गव द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र शिवपुरी पर विभिन्न प्रदर्शन इकाइयों में प्रमुख आईएफएस, डेयरी, प्राकृतिक खेती, फसल विविधता संग्रहालय इत्यादि का भ्रमण कराते हुए जिज्ञासाओं का भी समाधान किया गया। इस अवसर पर डॉ सुरुचि सोनी, डॉ नीरज कुशवाहा, विजय प्रताप सिंह भी उपस्थित रहे।

'SIR का कार्य करो वरना...', प्रपत्र फीडिंग के लिए कानूनगो ने दी धमकी; लेखपाल ने शादी से एक दिन पहले दी जान

उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में बर्खास्तगी की चेतावनी पर लेखपाल ने खुदकुशी कर ली। मंगलवार सुबह कानूनगो घर पहुंचे। उन्होंने कहा कि उन्हें एसडीएम ने भेजा है। एसआईआर प्रपत्र फीडिंग के लिए दरवाजे पर रखकर कहा कि इसे करो वरना बर्खास्त कर दिया जाएगा। उसकी आज बरात जानी थी। फतेहपुर के बिंदकी में बर्खास्तगी की चेतावनी से तनाव में आए लेखपाल ने फंदा लगाकर जान दे दी। उसकी 26 नवंबर यानि आज शादी थी। लेखपाल को एसआईआर अभियान में लगाया गया था। इसी भागदौड़ में उससे काम में थोड़ी चूक हुई थी। घटना की जानकारी मिलते ही अन्य लेखपाल और परिजन विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के सहायक समीक्षा अधिकारी

एसडीएम और कानूनगो के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग को लेकर प्रदर्शन करने लगे। मामले की सूचना मिलते ही एएसपी व एडीएम मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाने का प्रयास करते रहे लेकिन देर शाम तक परिजनों ने शव नहीं उठने दिया था। बिंदकी कोतवाली क्षेत्र के खजुहा कस्बा बागबादशाही निवासी सुधीर कुमार (35) ने वर्ष 2024 में लेखपाल की नौकरी पाई थी। उनकी नियुक्ति बिंदकी तहसील में थी। अभी वह प्रोबेशन में चल रहे थे। वह जहानाबाद विधानसभा में एसआईआर का काम बीएलओ के तौर पर देख रहे थे। सुधीर की 26 नवंबर को खजुहा ब्लॉक के ही सीतापुर गांव में बरात जानी थी। इसके लिए कुछ दिन पहले उन्होंने अवकाश के लिए प्रार्थना पत्र तहसीलदार को दिया था। लेखपाल की बहन अमृता सिंह ने बताया कि तहसील सभागार में मतदाता पुनरीक्षण कार्य की 22 नवंबर को बैठक थी। शादी के कामकाज की वजह से भाई बैठक में नहीं जा सका। इस पर सहायक समीक्षा अधिकारी (ईआरओ) एसडीएम संजय कुमार सक्सेना ने भाई को निलंबित करने की कार्रवाई के लिए कहा था। इससे भाई मानसिक तनाव में चल रहा था। मंगलवार सुबह करीब साढ़े छह बजे कानूनगो शिवराम दरवाजे पर पहुंचे। कानूनगो ने कहा कि उन्हें एसडीएम ने भेजा है। एसआईआर प्रपत्र फीडिंग के लिए दरवाजे पर रखकर भाई से कहा कि चुनाव कार्य करो वरना बर्खास्त कर दिया जाएगा। इसके बाद भाई कमरे में चला गया। कुछ देर तक बाहर न आने पर दरवाजा खटखटाया। भीतर से कोई जवाब न मिलने पर खिड़की से झांका तो भाई कमरे की छत के हुक पर रस्सी के फंदे से लटक रहा था। एएसपी महेंद्र पाल सिंह ने बताया कि वह मौके पर हैं। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। परिजनों को शव का पोस्टमॉर्टम कराने के लिए समझाया जा रहा है। परिजनों के शिकायती पत्र पर प्राथमिकी का प्रावधान नहीं है। वह पूरे मामले की जांच कराएंगे। इसके बाद प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। – अविनाश त्रिपाठी, एडीएम वह बात करने की स्थित में फिलहाल नहीं है। उन पर लगाए जा रहे आरोप गलत हैं। वह बस इतना ही कह सकते हैं। – संजय सक्सेना, एसडीएम

ASP की रैली: मुजफ्फरनगर में मंच से गरजे चंद्रशेखर, कहा-SIR से नहीं चुराने देंगे वोट, किए ये बड़े एलान

नगीना सांसद चन्द्रशेखर ने मुज़फ्फरनगर में कहा कि एसआईआर के जरिए वोट चोरी नहीं होने देंगे। उन्होंने 1 जनवरी से रोजगार और ईवीएम बंद कराने को लेकर बड़े आंदोलन की घोषणा की।

साथ ही किसानों के लिए गन्ना मूल्य 500 रुपये प्रति क्विंटल करने और वेस्ट यूपी में हाईकोर्ट बेंच बनाने का वादा किया। मुजफ्फरनगर में राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान पर आजाद समाज पार्टी की रैली का आयोजन किया गया। इस दौरान नगीना सांसद चन्द्रशेखर ने मंच से कहा कि प्रदेश में एसआईआर के जरिए वोट की चोरी किसी भी हाल में नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने मंच से स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह यूपी है, बिहार नहीं।

चन्द्रशेखर ने दावा किया कि वह भाईचारा मजबूत करने के लिए पश्चिमी यूपी के दौरे पर निकले हैं। 1 जनवरी से दो बड़े आंदोलन की घोषणा- चन्द्रशेखर ने कहा कि युवाओं को नौकरी देने का वादा करने वाली सरकारें केवल भरोसे पर खेल रही हैं। उन्होंने घोषणा की कि 1 जनवरी से रोजगार के मुद्दे पर बड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा। इसके साथ ही ईवीएम बंद कराने के लिए अलग से राज्यव्यापी आंदोलन चलाया जाएगा। किसानों के लिए गन्ना मूल्य 500 रुपये करने का वादा- किसानों की समस्याओं पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि डीएपी की कमी से किसान परेशान हैं। मौका मिला तो गन्ना मूल्य 500 रुपये प्रति क्विंटल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने पर ठेकेदारी व्यवस्था खत्म कर युवाओं को पक्की सरकारी नौकरी दी जाएगी। वेस्ट यूपी में हाईकोर्ट बेंच की मांग दोहराई- चन्द्रशेखर ने कहा कि वेस्ट यूपी की जनता हाईकोर्ट बेंच की लंबे समय से मांग कर रही है। उनकी पार्टी सरकार में आते ही वेस्ट यूपी में हाईकोर्ट की बेंच स्थापित करवाएगी। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि पिछले 75 साल में कांग्रेस और बीजेपी ने प्रदेश के लिए क्या किया। पूर्व विधायक शाहनवाज राणा ने पार्टी में हुए शामिल- रैली में शहर व ग्रामीण क्षेत्रों से समर्थक बड़ी संख्या में पहुंचे, जिससे आयोजन स्थल पूरा खचाखच भर गया। मंच पर वरिष्ठ पदाधिकारियों ने राजनीतिक मुद्दों और संगठन विस्तार पर बात रखी। रैली के दौरान पूर्व विधायक शाहनवाज राणा ने आधिकारिक रूप से 'आसपा' पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। उनके शामिल होने पर समर्थकों ने तालियों और नारों से स्वागत किया। पार्टी पदाधिकारियों ने उनके अनुभव को संगठन के लिए महत्वपूर्ण बताया।

संविधान की पवित्रता और कानून का शासन बनाए रखने में बार की भूमिका बेहद जरूरी, सीजेआई सूर्यकांत का बयान

सीजेआई ने कहा कि मुझे यह कहने में कोई झिझक नहीं है कि अगर अदालतों को संविधान का पहरेदार माना जाता है, तो बार के सदस्य हमारे रास्ते को रोशन करने वाले पथप्रदर्शक हैं। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने एक बयान में कहा है कि देश में संविधान की पवित्रता और कानून का शासन बनाए रखने के लिए बार की भूमिका बेहद जरूरी है। सीजेआई ने ये भी कहा कि देश में कमजोर और हाशिए पर पड़े लोगों के लिए कानूनी सहायता देने में भी बार की अहम भूमिका है। संविधान दिवस कार्यक्रम में क्या बोले सीजेआई संविधान दिवस के मौके पर सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि जब हम इस अहम पल का जश्न मना रहे हैं, जब भारत ने अपने आप को अपना बुनियादी अनुबंध दिया था, मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि देश में कानून का शासन और संविधान की पवित्रता बनाए रखने में बार की भूमिका बेहद जरूरी है।सीजेआई ने कहा कि मुझे यह कहने में कोई झिझक नहीं है कि अगर अदालतों को संविधान का पहरेदार माना जाता है, तो बार के सदस्य हमारे रास्ते को रोशन करने वाले पथप्रदर्शक हैं। वे हमें अपने गंभीर कर्तव्यों को पूरा करने और हमारे कर्तव्यों को पक्के यकीन के साथ निभाने में मदद करते हैं। उन्होंने कहा कि %वह अक्सर न्याय व्यवस्था के अदृश्य पीड़ितों के बारे में बात करते हैं और मेरा मानना है कि सिर्फ बार ही उन्हें इस पीड़ा से बचा सकता है।% उन्होंने कहा, सांविधानिक मामलों में हमारी मदद करने के अलावा यह भी उतना जरूरी है कि बार हमारे संविधान की मूल भावना को सामने लाने के लिए भी सही कदम उठाए। इसमें उन लोगों को कानूनी मदद देना शामिल है जो कमजोर हैं या समाज के हाशिये पर जी रहे हैं। साथ ही राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों में दिए गए नजरिए के साथ खुद को जोड़ना भी बार की जिम्मेदारी है।सिर्फ संविधान ही सर्वोच्च इस मौके पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के अनुसार, %यह संविधान की खूबसूरती है कि इसके तीनों हिस्से, न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका, एक-दूसरे से आजाद हैं और साथ ही अंदरूनी चेक एंड बैलेंस भी है। अगर कार्यपालिका कुछ ऐसा करता है जो संविधान के खिलाफ है, तो न्यायपालिका की सर्वोच्चता है। लेकिन आखिरकार कोई भी अंग सर्वोच्च नहीं होता और सिर्फ संविधान ही सर्वोच्च है। 26 नवंबर को साल 2015 से संविधान दिवस के तौर पर मनाया जाता है, यह दिन 1949 में संविधान सभा द्वारा भारत के संविधान को अपनाने की याद में मनाया जाता है। पहले इस दिन को कानून दिवस के तौर पर मनाया जाता था।

चोरों ने सिकंदराराऊ में बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम को बनाया निशाना, दो जगह काटने की कोशिश, पर रहे असफल

एटीएम मशीन के कुंडों को दो जगह से काटने की कोशिश की गई, लेकिन काट नहीं सके। पिछले मंगलवार की रात को भी चोरों ने एटीएम काटकर चोरी करने का प्रयास किया था, तब भी वे ऐसा नहीं कर सके थे। हाथरस में सिकंदराराऊ स्थित पंत चौराहे के निकट हाथरस रोड पर 25 नवंबर की रात को चोरों ने बैंक आफ इंडिया शाखा के बाहर लगे एटीएम को निशाना बनाया। चोरों ने गैस वेल्डिंग की सहायता से एटीएम को दो जगह से काटने की कोशिश की, लेकिन वह असफल रहे।प्राप्त जानकारी के अनुसार पंत चौराहे के निकट स्थित एटीएम बैंक आफ इंडिया द्वारा संचालित नहीं होता है। इसका संचालन इट्स नाम की निजी कंपनी करती है। एटीएम पर कोई भी सुरक्षा कर्मी तैनात नहीं है। बैंक आफ इंडिया के शाखा प्रबंधक भुवनेश कुमार ने बताया की रात लगभग 9ः51 बजे एक बाइक बैंक परिसर के बाहर आकर खड़ी हुई थी। एटीएम पर लगे सीसीटीवी का काम भी वेंडर वाली कंपनी ही देखती है।एटीएम मशीन के कुंडों को दो जगह से काटने की कोशिश की गई, लेकिन काट नहीं सके। पिछले मंगलवार की रात को भी चोरों ने एटीएम काटकर चोरी करने का प्रयास किया था, तब भी वे ऐसा नहीं कर सके थे। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस टीम पहुंच गई। हाथरस से एसओजी टीम भी वहां पहुंच गई। बताया जा रहा है कि एटीएम काटने के लिए वेल्डिंग मशीन चलाने के लिए चोरों ने पड़ोस में लगे बिजली के बोर्ड का उपयोग किया। एटीएम के बिन में 10-10 बेल्डिंग रोड के टुकड़े पड़े पाए गए। एटीएम में रात के समय कितना नगद था, उसकी जानकारी वेंडर कंपनी से की जा रही है। मौके पर पुलिस क्षेत्राधिकार जे एस अस्थाना, कोतवाल शिवकुमार शर्मा भी पहुंचे। एसओजी टीम बैंक के सीसीटीवी को खंगालने में लगी हुई थी, जबकि बैंक के सीसीटीवी में केवल बैंक परिसर का ही हिस्सा आता है । एटीएम वाला हिस्सा सीसीटीवी की जद में नहीं आता।

शादी थी इसलिए मां के दाह संस्कार से किया था इनकार..., बेटों को हुआ पछतावा; अब बुजुर्ग पिता को अपनाया

गोरखपुर के बुजुर्ग मां का अंतिम संस्कार न करने का बेटों को पछतावा है। मां की मौत के बाद बेटों ने पिता को अपना लिया है। अब बेटे पिता को घर में साथ रखने की पहल की।गोरखपुर के कैंपियरगंज क्षेत्र के भरोहियां गांव में बुजुर्ग दंपती भुआल मद्धेशिया और शोभा देवी की उपेक्षा, वृद्धाश्रम में गुजरे दिन और मां के निधन के बाद बेटों के किनारा कर लेने की चर्चाएं गांव-कस्बे से लेकर सोशल मीडिया तक छाई रहीं। इसके बेटों को भी पछतावा हुआ और पिता को घर में साथ रखने की पहल की। भुआल ने भी पत्नी के जाने के बाद अकेले जीना मुश्किल हो गया है। भुआल मद्धेशिया 17 माह से पत्नी शोभा (65) के साथ जौनपुर में एक वृद्धाश्रम में रह रहे थे। बीते 19 नवंबर को शोभा का निधन हो गया। इसके बाद वृद्धाश्रम संचालक रवि कुमार चौबे ने भुआल के छोट बेटे अज्जू को फोन पर सूचना दी। अज्जू ने रवि को बताया कि बड़े भाई संजय के बेटे की शादी है इसलिए उन्होंने इस समय दाह संस्कार करने से मना कर दिया था और कहा था कि शव फ्रीजर में लाश रखवा दें। शादी के बाद दाह संस्कार कराया जाएगा। हालांकि, भुआल पत्नी का शव लेकर गांव पहुंचे लेकिन घर तक नहीं ले जा सके। बेटे की शादी के कारण दाह संस्कार को लेकर संजय के विरोध पर भुआल को करमैनी घाट पर पत्नी का शव दफनाना पड़ा।संजय ने मंगलवार को कहा कि, उसकी मां शोभा का निधन उस समय हुआ जब घर में विवाह समारोह चल रहा था। शव घर लाने और दाह संस्कार करने पर वैवाहिक कार्यक्रम बाधित होते इसलिए दाह संस्कार बाद में करने का निर्णय लिया था। मामला चर्चा में आने के बाद परिवार में तनाव बढ़ गया। संजय ने बताया कि पुरोहित की बताई विधि के अनुसार आटे का पुतला बनाकर छह दिसंबर को अंतिम संस्कार किया जाएगा।उधारी और विवादों के चलते घर छोड़ गए थे भुआल- संजय ने बताया कि उसके पिता भुआल मद्धेशिया उधारी के बोझ और मानसिक तनाव के चलते घर से अलग हो गए थे। किसी ने उन्हें घर से नहीं निकाला था। उन्होंने कहा कि गांव के कुछ लोगों ने गलत आरोप लगाए जिससे हालात और बिगड़ गए। वहीं, मंगलवार को भुआल ने कहा कि परिवार की काफी बदनामी हुई है, इसके लिए उन्होंने परिवार से क्षमा मांगी और कहा कि, अब अपने परिवार के साथ रहना चाहता हूं।पंचायत में बंटी थीं जिम्मेदारियां- मूलरूप से महराजगंज के पनियरा थाना क्षेत्र के नरकटहां गांव निवासी भुआल मद्धेशिया लगभग दो दशक पहले पत्नी शोभा के साथ भरोहियां स्थित ससुराल में रहने लगे थे। शोभा के पिता सीताराम ने अपनी संपत्ति तीनों नातियों संजय, अजय और संदीप के नाम कर दी थी।भुआल पर उधारी बढ़ने पर परिवार में विवाद के बाद गांव में पंचायत हुई थी। पंचायत में मां-बाप की जिम्मेदारियां बेटों में बांट दी गई थीं इसके बाद फिर विवाद बढ़ने पर आहत होकर भुआल पत्नी शोभा को लेकर घर छोड़ गए थे।यह था मामला- यूपी के गोरखपुर स्थित कैंपियरगंज थानाक्षेत्र के भरोहियां ग्राम पंचायत में एक ऐसी घटना सामने आई जिसने गांव में ही नहीं, सोशल मीडिया पर भी भारी आक्रोश पैदा कर दिया। जौनपुर वृद्धाश्रम में रह रही शोभा देवी (65) की तबीयत बिगड़ने पर मौत हो गई। लेकिन जब सुचना उनके बड़े बेटे को दी गई तो उसने मां का शव घर लाने से मना कर दिया। कारण बताया, घर में बेटे की शादी है, लाश आई तो अपशकुन हो जाएगा। उसने यहां तक कह दिया कि शव को चार दिन फ्रीजर में रख दिया जाए, शादी के बाद आकर दाह संस्कार कर देगा।घाट किनारे मिट्टी में दफना दी शोभा देवी की लाश

यह सुनकर मृतका के पति भुआल गुप्ता का दिल टूट गया। वह अपनी पत्नी की अंतिम इच्छा पूरी कराने के लिए जौनपुर से गोरखपुर तक शव लेकर पहुंचे, लेकिन यहां भी बड़े बेटे ने दरवाजा नहीं खोला। इसके बाद गांव के लोगों और रिश्तेदारों ने समझाया और दिखावा भर की सहमति से शोभा देवी को घाट किनारे मिट्टी में दफना दिया गया।मिट्टी में उसकी लाश को कीड़े खा जाएंगे यहीं से बुजुर्ग पिता की पीड़ा फूट पड़ी। रोते हुए वह बार-बार कहते रहे, मेरी पत्नी हिंदू रीति रिवाज से विदा होने की हकदार थी। उसे जला भी नहीं पाए। उसे मिट्टी में दफना दिया गया, वहां कीड़े खा जाएंगेज।% उन्हें संभालना लोगों के लिए मुश्किल हो गया।पति-पत्नी सिर्फ छोटे बेटे से करते थे बात- भुआल गुप्ता और उनकी पत्नी पिछले कई महीनों से जौनपुर के वृद्धाश्रम में रह रहे थे। बड़े बेटे ने घर से निकाल दिया था। संस्था के लोगों ने इलाज, रहने और खाने की व्यवस्था की थी। पति-पत्नी कभी-कभी छोटे बेटे से फोन पर बात भी कर लेते थे। लेकिन मौत के बाद भी हालात नहीं बदले। गांव में लोग इस घटना पर गुस्से में हैं। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने तीखी प्रतिक्रियाएं दी।

हत्या मामले में आजीवन कारावास की सजा बरकरार, हाईकोर्ट ने खारिज की अपील

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इटावा के भरथना थाना क्षेत्र निवासी गोविंद की हत्या मामले में अशोक कुमार, रामदास व गोरे की दोषसिद्धि और आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इटावा के भरथना थाना क्षेत्र निवासी गोविंद की हत्या मामले में अशोक कुमार, रामदास व गोरे की दोषसिद्धि और आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा। अपील को गुणहीन मानते हुए खारिज कर दिया। न्यायालय ने जमानत पर चल रहे अभियुक्तों को तत्काल आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह व न्यायमूर्ति संदीप जैन की खंडपीठ ने दिया है।इटावा के भरथना थाना में 1983 को रामस्वरूप दुबे ने मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप लगाया था कि अशोक अपने दो सहयोगियों के साथ उसके घर आया। बेटे गोविंद से ईंट भट्ठे से ईंटें ढोने के लिए उसके ट्रैक्टर-ट्रॉली को किराए पर लेने की बात तय की। गोविंद अपने ट्रैक्टर-ट्रॉली पर ईंटें लादने के लिए आरोपियों के साथ चला गया। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। तलाश करने पर उसकी लाश जिला मैनपुरी के थाना कुर्रा क्षेत्र में नहर में मिली।पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार गोविंद की मृत्यु गला घोंटने के कारण हुई थी। आरोपियों ने गोविंद के ट्रैक्टर-ट्राली को बेच दिया था। ट्रैक्टर पर लदी ईंटें आरोपी रामदास के घर से बरामद हुईं थीं। इस मामले में ट्रायल कोर्ट ने 1996 में अशोक कुमार, गोरे उर्फ उजागर सिंह और रामदास को हत्या, साक्ष्य छिपाना और चोरी की संपत्ति का गबन के तहत दोषी पाया था और सभी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

संक्षिप्त समाचार

भीमराव अंबेडकर का दिया सबसे बड़ा अधिकार वोट आज खतरे में

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने संविधान दिवस पर भाजपा पर आरोप लगाया कि वह संविधान और वोटिंग अधिकारों को नुकसान पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि यूपी में जाति आधारित नियुक्तियां और वोट काटने की साजिशें हो रही हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, हमने देखा कि BJP ने आज सुबह संविधान दिवस मनाया। लेकिन, संविधान को सबसे ज्यादा नुकसान उन्हीं ने पहुंचाया है। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का दिया सबसे बड़ा अधिकार, वोट, खतरे में लगता है। क्योंकि, वे अलग-अलग बहानों से लाखों लोगों को उनके वोट के अधिकार से दूर करने की कोशिश कर रहे हैं। यूपी में लाखों लोगों के वोट काटने के लिए साजिशें और अधिकारियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। जाति के आधार पर अधिकारियों की नियुक्ति की जा रही है।उन्होंने आगे कहा, बांग्लादेश के नाम पर वे पश्चिम बंगाल में साजिशें रच रहे हैं। सेक्युलरिज़्म को भूल जाइए। वे सेक्युलरिज़्म का असली मतलब नहीं समझते। उनकी सरकार में कोई सोशलिस्ट नहीं बचा है, अब कोई सेक्युलरिज़्म नहीं है और SIR के साथ उन्होंने हमारी डेमोक्रेसी को भी खतरे में डाल दिया है।120 बहादुर देखने पहुंचे अखिलेश अखिलेश यादव 120 बहादुर 120 बहादुर मूवी देखने पहुंचे। मूवी भारत-चीन युद्ध पर आधारित है। इसमें फरहान अख्तर ने परमवीर चक्र सम्मानित मेजर शैतान सिंह की भूमिका निभाई है। अखिलेश यादव के मल्टीप्लेक्स में मूवी देखने को लेकर सियासी गलियारों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। राजनीति के जानकार इसे वोट बैंक से जोड़कर देख रहे हैं, क्योंकि मूवी में अहीर समुदाय के इतिहास और उनकी बहादुरी को दर्शाया गया है।

सीएमओ ऑफिस के बाबू पर गिरी गाज: डीएम की संस्तुति पर शासन ने किया निलंबित, इगलास विधायक ने की थी शिकायत

यूपी के निदेशक प्रशासन चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं अलका वर्मा ने पत्र जारी करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के वरिष्ठ सहायक (बाबू) रणधीर चौधरी को निलंबित कर दिया है।इगलास के विधायक राजकुमार सहयोगी द्वारा स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार और अनियमितता के आरोप की शिकायत पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के वरिष्ठ सहायक (बाबू) रणधीर चौधरी पर कार्रवाई की डीएम ने शासन से संस्तुति की थी। शासन ने बाबू रणधीर चौधरी को निलंबित कर दिया है।स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए इगलास के विधायक राजकुमार सहयोगी ने 22 मई 2025 को शासन में पत्र लिखकर 29 बिंदुओं पर शिकायत की थी। इसमें मुख्य रूप से कहा था कि स्वास्थ्य विभाग में तैनात कुछ डॉक्टरों ने अपनी पत्नियों के नाम से फर्जी अस्पतालों का रजिस्ट्रेशन कराया। इस रजिस्ट्रेशन से अवैध हॉस्पिटल संचालित कराए। जबकि प्रतिष्ठित अस्पतालों के चिकित्सक मानक पूरा होने के बाद भी अवैध वसूली का शिकार हो रहे हैं। शिकायत में अवैध हॉस्पिटल वाली जगहों का भी उल्लेख किया गया था।एडीएम स्तर से हुई जांच के बाद सीएमओ ने एसीएमओ डॉ. दिनेश खत्री पर शिथिलता के आरोप लगाते हुए 7 जुलाई 2025 को हॉस्पिटल पंजीयन के पटल से हटा दिया था। डॉ. खत्री ने इसके बाद 10 जुलाई को मुख्यमंत्री, प्रमुख सचिव और अपर मुख्य सचिव को पत्र भेजकर अपना पक्ष रखा, जिसमें कहा कि उनपर एक तरफा कार्यवाही की गई है। इसी पत्र को शासन ने आईजीआरएस पर की गई शिकायत मानते हुए संज्ञान लिया था और जिला प्रशासन को जांच के लिए आदेश दिए थे। जिसके बाद एडीएम वित्त ने सिटी मजिस्ट्रेट को जांच 8 सितंबर 2025 को सौंपी। जांच रिपोर्ट पर कार्यालय सहायक के खिलाफ कार्रवाई के लिए डीएम ने शासन को संस्तुति कर दी थी। आज यूपी के निदेशक प्रशासन चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं अलका वर्मा ने पत्र जारी करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के वरिष्ठ सहायक (बाबू) रणधीर चौधरी को निलंबित कर दिया है।

Don't ignore these 6 hidden signs of artery blockage, or you'll increase your risk of a heart attack.

Did you know that in most cases, artery blockage isn't detected until a heart attack occurs? Therefore, this condition is very dangerous, and early detection is essential. The symptoms of artery blockage are quite simple, which is why people often ignore them. Artery blockage increases the risk of heart attack and stroke. Blockage occurs due to plaque buildup on the artery walls. The symptoms of artery blockage are often minor and insignificant. Despite artery blockage, a person often remains unaware of the condition until a heart attack or stroke occurs. Before this, the person often feels completely healthy. This is because even when arteries are more than 50% blocked, no serious symptoms (Symptoms of Artery Blockage) appear in the body. In fact, the signs of artery blockage are so minor and subtle that they often go unnoticed. Many times, people ignore these symptoms, thinking them to be minor problems, which can lead to worsening blockages. Therefore, it's important to recognize the subtle warning signs of artery blockage. Let's learn about these symptoms. Silent Signs of Artery Blockage: Unexplained Fatigue - If seemingly effortless, everyday tasks like bathing, changing clothes, or even light walking cause extreme fatigue, it's a cause for concern. When arteries become blocked, the heart has to work harder to deliver oxygen to the body. This directly impacts energy levels, and the person often feels tired. Chest Pain or Discomfort - This is a significant sign of reduced blood flow to the heart. It shouldn't always be mistaken for sharp pain. It can often feel like heaviness, burning, pressure, tightness, or bloating in the chest. This discomfort typically occurs during physical or emotional stress and subsides with rest. Shortness of breath - If you feel short of breath even while doing light work, climbing stairs, or lying in bed, it could be a sign of heart failure. Blocked arteries can cause the heart to pump blood from the lungs to the body, leading to difficulty breathing. Dizziness or lightheadedness - Dizziness can occur due to insufficient blood supply to the brain. If you feel dizzy after suddenly standing up or even with slight stress, don't take it lightly. Cold hands and feet - This is a common symptom of blockage in the arteries of the feet. Pain, cramps, or numbness may also be felt in the feet, especially when walking. Slow wound healing - Wounds on the feet or ankles taking longer than usual to heal are also a sign of poor blood circulation. Blocked arteries prevent the proper supply of nutrients and oxygen to the affected area, slowing down the tissue repair process.

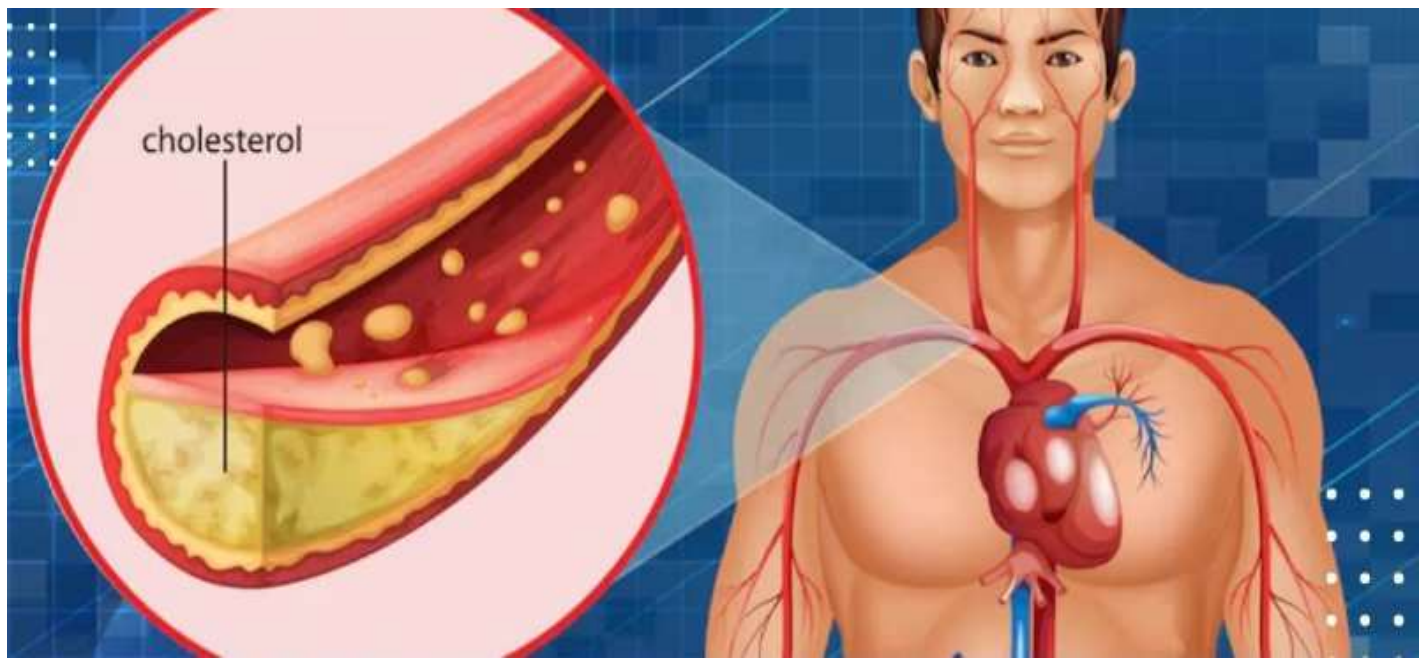

Why are young people loving "Buy Now, Pay Later"? Is it really beneficial or a financial trap?

You may have seen the Buy Now, Pay Later option on many retail websites. This feature seems interesting and necessary, but is it really beneficial? In fact, if ignored, it can be a drain on your pocket. Let's understand how. Buy Now, Pay Later is available on many websites today, allowing consumers to purchase essential items without worrying about immediate financial costs. The Buy Now, Pay Later feature can sometimes harm your financial health. In today's digital age, the "Buy Now, Pay Later" (BNPL) service is rapidly gaining popularity. This feature appears as an attractive offer on e-commerce websites and apps, allowing you to purchase goods immediately and pay for them later in installments. Young people are increasingly liking it. They can comfortably purchase their favorite items without worrying about making the full payment immediately. But is it truly beneficial, or a hidden financial trap? Let's explore how BNPL can be a drain on your wallet. Robbery of future income - The biggest risk of BNPL is that it motivates you to spend future income in advance. When you choose the "buy now" option, you're mortgaging future income instead of your current savings or income. This can lead to cash flow problems, especially if you have to pay multiple BNPL installments simultaneously. Hidden taxes and interest - Most BNPL services offer interest-free payments initially, but delays can lead to hefty penalties, late fees, and high interest rates. Many consumers are unaware of these terms, leading them to unwittingly fall into a debt trap. Overspending - The convenience of BNPL makes shopping easier, leading people to spend more than they actually need. The idea of ??"paying later" psychologically makes one feel less like spending, which leads to increased wasteful spending. This habit can lead to financial problems in the long run. Impact on credit score - Many BNPL companies now check consumers' credit scores. Failure to make payments on time can negatively impact your credit score. A poor credit score can reduce your chances of getting a loan or credit card in the future. Lack of savings habit - BNPL services offer instant purchase options, so people tend to lose the habit of budgeting and saving. This makes it difficult to achieve big financial goals in the future, such as buying a house or saving.

Why does winter bring sadness and lethargy? 5 effective ways to avoid the winter blues

Have you noticed that some people start feeling more tired and depressed (winter blues) as winter approaches? This is called the winter blues, which is caused by changes in the body due to the weather. Let's learn why winter blues occur and what to do to avoid them. Many people feel more tired and depressed during winter; this is called the winter blues. Spending time in the sun is very important during winter. As winter approaches, days become shorter and nights become longer, cold winds begin to blow, and some people begin to feel a strange lethargy, sadness, and lack of energy. This feeling is often referred to as the "winter blues" or "winter sadness." This is not a minor change, but a scientific and psychological condition, also known as Seasonal Affective Disorder (SAD). Let's find out why this happens (Why Do People Feel Winter Blues) and what can be done to avoid it. What is the main cause of the winter blues? The most important reason behind it is lack of sunlight. In winter, due to shorter days, we get less sunlight, which directly affects our body and mind. Melatonin and serotonin imbalance - Sunlight affects the balance of two important hormones in our brain. Melatonin is the sleep hormone. Its secretion increases as darkness falls, which helps us fall asleep. In winter, due to early darkness and prolonged daylight hours, melatonin levels can remain high, leading to lethargy and fatigue throughout the day. Serotonin - This is called the "feel-good" hormone. It regulates mood, appetite, and sleep. Reduced sunlight causes serotonin levels to drop, which can lead to sadness, irritability, and a strong craving for carbohydrates. Lack of physical activity - Due to the cold, people reduce their outdoor activities. Decreased physical activity reduces endorphin levels. Social isolation - Cold weather often forces people to stay indoors, reducing contact with friends and family. Lack of social contact can also increase feelings of loneliness and sadness. Tips to avoid the winter blues: There's no need to worry; by adopting a few simple measures, you can ward off this seasonal blues and enjoy winter. Get as much sun as possible - This is the most effective solution. Try to spend at least 20-30 minutes in the warm sunlight during the day, especially in the morning. Open the curtains on your windows to allow natural light in. Exercise regularly - Physical activity increases serotonin and endorphin levels. If going outside is difficult, try yoga, stretching, dance, or online workouts at home. Eat a healthy diet - Sweets and junk food may be tempting, but avoid them. Instead, eat fresh fruits, vegetables, whole grains, dried fruits, and protein-rich foods. Foods rich in Vitamin D and Omega-3 fatty acids help improve mood. Maintain social contact - Keep talking to friends and family over the phone or video calls, and try to meet them. Make time for hobbies - Start a new hobby like reading, listening to music, painting, cooking, or making crafts. This will distract you and make you feel good. Get good sleep - Establish a regular bedtime and get 7-8 hours of sleep daily. Avoid using your mobile phone before bed.

This web series, with an 8.3 IMDb rating, is giving Delhi Crime 3 a run for its money, taking the OTT platform by storm.

A web series released 10 days ago on the OTT platform is so popular that it's even rivaling the recently released Delhi Crime Season 3. It received an 8.3 rating. The new web series released on OTT is a hit. The new web series is full gave the web series a strong rating. The the trend of web series, and now there's a viewers. Currently, Delhi Crime Season 3 platform and is maintaining its position But now, a new web series has entered the This web series premiered on OTT gaining such popularity that it's giving its money. Upon its release, the series made also ranked among the top-rated web rating from IMDB. Find out about this drama is trending on OTT platforms: or Korean dramas, are very popular in debuted and is now trending at number 2 "Dynamite Kiss." "Dynamite Kiss" was Netflix on the 12th of this month. Its story stars Ahn Eun-Jin and Jang Ki-Yong. Kiss? The drama depicts how a romance brings them together again. The girl and comes to work at the company of the fifth episode of Dynamite Kiss coming? episodes, but only four have been released weekly on Wednesdays and Thursdays. The final episode will be released around Christmas. Currently, this K-drama is streaming on the OTT platform Netflix.

of romance and drama - IMDb advent of OTT platforms sparked huge craze for them among is being widely loved on the OTT among the top trending shows. fray to challenge this web series. platforms just 10 days ago and is Delhi Crimes Season 3 a run for it to the top 10 trending list. It's series of the year, with an 8.3 popular Netflix series here. This There's no doubt that K-dramas, India. Recently, a K-drama has on Netflix. This drama is released on the OTT platform is a romantic thriller. The series What is the story of Dynamite in Jeju ends abruptly, but fate pretends to be a married woman man she once loved. When is the Dynamite Kiss has a total of 16 so far. New episodes are released

Sunny Sanskari Ki Tulsi Kumari is ready for release on OTT platform. When and where can I watch Varun and Janhvi's rom-com?

The recent rom-com drama Sunny Sanskari Ki Tulsi Kumari was released in theaters and is now ready to hit the OTT platform. Find out all the details about when and where the film will be released here. SSKTK is was an average box office Directed by Shashank Sanskari Ki Tulsi Kumari is platform after becoming a Tulsi Kumari was released 2nd, on the occasion of film clashed with the highly 1, but it still managed to office. The film, which theatrical release, received appreciated the Rohit Saraf, Varun after entertaining audiences Kumari is coming to OTT platforms this month. on OTT? According to an Tulsi Kumari will stream November 27, 2025, a release. However, no official Netflix or the makers. story revolves around (Janhvi Kapoor), who are marriage and find love, is where the story takes a new turn. The film also stars Sanya, Rohit, Varun, and Janhvi, along with Manish Paul and Prajakta Koli. Sunny Sanskari's Tulsi Kumari was an average box office success. Reportedly made on a budget of ?80 crore, the film grossed around ?100 crore worldwide.

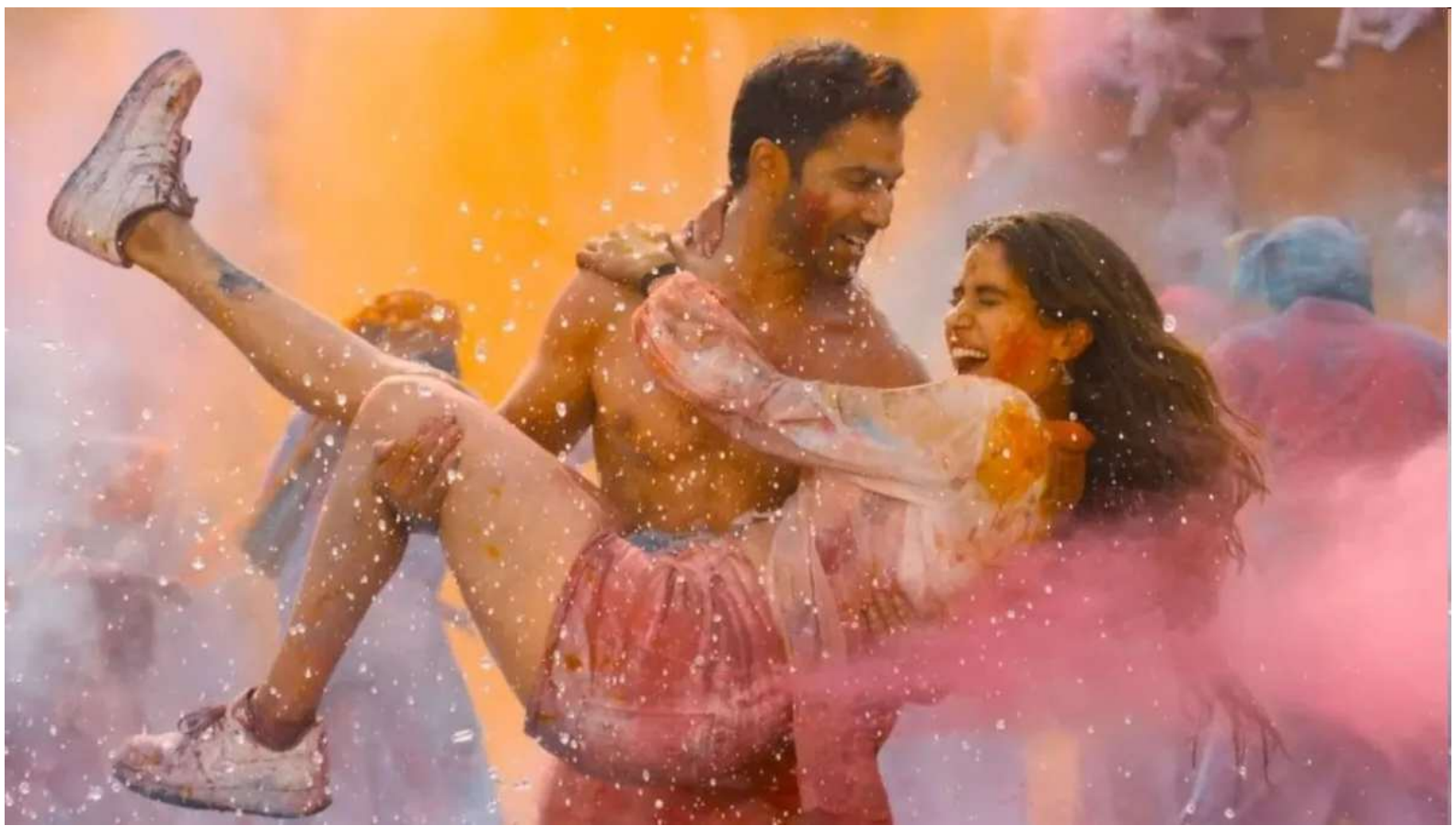

going to be released on OTT. The film hit - directed by Shashank Khaitan. Khaitan, the rom-com movie Sunny now ready for release on the OTT hit in theaters. Sunny Sanskari Ki in theaters last month, on October Gandhi Jayanti and Dussehra. The anticipated movie Kaantara Chapter earn a decent amount at the box premiered on OTT platforms after its mixed reviews. Audiences also performances of Sanya Malhotra, Dhawan, and Janhvi Kapoor. Now, in theaters, Sunny Sanskari's Tulsi platforms. The film will hit OTT When and where to watch the film E-Times report, Sunny Sanskari's on the OTT platform Netflix starting month and a half after its theatrical confirmation has yet been made by What is the story of the film? The Sunny (Varun Dhawan) and Tulsi about to get married. To break their they pretend to be a couple, and this

A 1-hour, 28-minute suspense-filled movie is unmatched; a 27-year-old film is available on this OTT platform.

With the advent of OTT platforms like Netflix and Amazon Prime Video, the popularity of thrillers and suspense films is increasing. Young people increasingly prefer to watch suspense and crime thrillers on OTT platforms. Today, film that was released 27 years ago and is suspense in this film will leave you thrillers, you won't leave your seat for 1 platforms has also increased the demand or horror comedy, many films are edge of their seats until the very end. Be it the craze for suspense-filled films is on a about suspense-filled films, today we're ago that has earned a place on the list of which OTT platform you can watch this popularity of OTT platforms has also Whether it's crime drama or horror keeps audiences on the edge of their seats 2, Kaththi or Agent Sai, the craze for we're always telling you about suspense-film released 27 years ago that has earned find out in detail which OTT platform you Innocent Sam hires lawyer Kenneth Ray Duquette becomes suspicious of the complex web laid out of greed unravels.

we're going to tell you about a suspense thriller considered one of the best suspense thrillers. The spellbound. Included in the list of best suspense hour, 28 minutes. The growing popularity of OTT for suspense thrillers. Whether it's crime drama released with stories that keep audiences on the Maharaja or Drishyam 2, Kaththi or Agent Sai, different level. While we're always telling you going to tell you about a film released 27 years best suspense thrillers. Let's find out in detail film on and what its story is. The growing increased the demand for suspense thrillers. comedy, many films are released whose story until the very end. Be it Maharaja or Drishyam suspense-filled films is on a different level. While filled films, today we're going to tell you about a a place on the list of best suspense thrillers. Let's can watch this film on and what its story is. Boden to defend himself. Meanwhile, police officer two girls and begins investigating the case. A Why the two girls trap their counselor, Sam Lombardo, and who the real mastermind behind this entire game is, you'll learn more about this after watching the film "Wild Things," which was released in 1998. It's a Hollywood film. On which OTT platform can you watch "Wild Things"? If you haven't seen this film yet and suspense is your favorite genre, you can watch it on the OTT platform Netflix. Additionally, the sequel, "Wild Things 2," is available on Amazon Prime Video. The film stars Neve Campbell, Matt Dillon, Denise Richards, and Kevin Bacon. The movie has a rating of 6.6 out of 10 on IMDb.